ОРДЫМ

##

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1926 №1 |  | Редакциясянь. | От редакции | 1-2.  | |- |
| 1926 №1 | Минин | Ӧкмыс воӧн. | За девять лет | 3-12.  | |- |
| 1926 №1 | Коми Мишӧ (Мишин М. И.)  | Коммунистъяслӧн велӧдчӧм. | Учеба коммунистов | 13-17.  | |- |
| 1926 №1 | К. Н.  | Лӧсьӧдчӧй Сӧветъяс бӧрйигкежлӧ. Колӧ бурмӧдны Сӧветъясын удж. | Готовтесь к выборам Советов. Нужно улучшить работу в Советах | 17-20.  | |- |
| 1926 №1 | С. Д. К.  | Землемерӧн видз-му юклӧм удж нуӧдӧм. Чорыдджыка колӧ босьтчыны видз-муӧн вӧдитӧм бурмӧдны. | Ведение работы по разделению сельскохозяйственных участков землемером. Надо крепче браться за ведение сельского хозяйства | 21-23.  | |- |
| 1926 №1 | Истомин А.  | Кыдзи крестьяналы быдтыны бур мӧс. | Как крестьянину вырастить хорощую корову | 23-26.  | |- |
| 1926 №1 | Коми Мишӧ (Мишин М. И.)  | Курӧг тӧвйӧдӧм. | Зимовка кур | 27-28.  | |- |
| 1926 №1 | Ӧпимныв.  | Вӧйдӧр и ӧні. | Раньше и теперь | 29-30.  | |- |
| 1926 №1 | Роч | Панлам сёрни коперативъяс йылысь. | Начнем разговор о кооперативах | 31-33.  | |- |
| 1926 №1 | Коми | Коперативъяслӧн ас костын да йӧз костын велӧдчан-югдӧдан удж. | Учеба и просвещение в кооперативах | 33-35.  | |- |
| 1926 №1 | Парма | Мый вермас вӧчны лёк приказчик. | Что может сделать плохой приказчик | 35-36.  | |- |
| 1926 №1 | Попов А.  | Кыдзи бурмӧдны видз-му уджалан товариществояслысь уджсӧ. | Как улучшить работу сельскохозяйственных товариществ | 36-39.  | |- |
| 1926 №1 | Ӧлек Ӧндрей (Попов А. А.)  | Нелючкияс удждысян товариществояс уджын.  | Неполадки в работе товариществ | 39-40.  | |- |
| 1926 №1 | Ӧлек Ӧндрей (Попов А. А.)  | Коми сельбанкын. | В коми сельбанке | 40-41.  | |- |
| 1926 №1 | Коми  | Спаспорубса Потребобщество. Кулӧмдінса Потребобщество. Мордінса Потребобщество. Гамса Потребобщество. | Спаспорубское, Усть-Куломское, Мординское, Гамское Потребобщества | 41-42.  | |- |
| 1926 №1 | Спира Прокӧ (Попов П. С.)  | 1917 – 9-ӧд октябрь 1926. | Кывбур | 43.  | |- |
| 1926 №1 | Симаков И. Н.  | Мед паськалас, шылялас «Ордым»! |  | 44.  | |- |
| 1926 №1 | Спира Прокӧ (Попов П. С.)  | Коми аньлы. | Кывбур | 44.  | |- |
| 1926 №1 | Иву Василь (Дерябин В. И.)  | Велӧдчӧм. | Поэма | 45-47.  | |- |
| 1926 №1 | Ичӧт Иван. (Сажин И. И.)  | Сортӧвӧй лэдзӧм. | Поэма | 47-48.  | |- |
| 1926 №1 | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.)  | Коньӧр нывлӧн сьылӧм. | Кывбур | 48.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) |  Н. Уль  | Кытчӧ кыскӧны партияын паныд мунысьяс |  | 1-7.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Булышов  | Кер-шпал лэдзӧм |  | 8-11.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Степӧ Цывунин (Цывунин С.)  | Квайт лунӧн абу артмӧма олӧм |  | 12-14.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Сурнин В.  | Миян сиктъясын |  | 15-16.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Исаков В.  | Колӧ лӧсьӧдны ас кӧйдыс |  | 17-19.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Н. Т.  | Кыдзи бӧрйыны бур вӧв |  | 19-20.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Минин | Сир пуӧм Коми областьын |  | 23-24.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Коканин И.  | Вермасьӧй «тӧдысьяскӧд» |  | 25-26.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Цывунин С.  | Неуна крестьяна олӧм-сямысь |  | 26-28.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Парма | Миян кооперация |  | 29-31.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Ӧльӧк Ӧндрей. (Попов А. А)  | Мый керны удждысян тӧвариществоясын? |  | 31-32.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Коми | Кыдзи лӧсьӧдны кооперация велӧдан кружок |  | 33-34.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Коми | Сиктса потребобществоясын |  | 34-36.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.)  | Некор оз вун | Кывбур | 37.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Ж. (Попов И. П.)  | Сімсьӧд кымӧр | Висьт | 38-48.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.)  | Велӧдчысь нывъяслы | Кывбур | 48-49.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.)  | Гажтӧм | Поэма | 50-51.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Кос Кабыр (Худяев И. Е.) | Олӧмлӧн потласьӧм | Висьт | 51-52.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.)  | Гыа ва вылын кыйсьӧм | Кывбура серпастор | 52-53.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.)  | Ӧнія дырйи | Натур-серпастор | 54-55.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Иву Василь (Дерябин В. И.)  | Йӧктӧм | Кывбур | 55.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Чупров Я.  | Мый колӧ вӧчны |  | 56-60.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Парма  | Быдтор йылысь |  | 61.  | |- |
| 1926 №2 (ноябр) | Н. Уль (Улитин Н. А.)  | Му вынсьӧдантор |  | 61-62.  | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Н. Уль (Улитин Н. А.) | Видзан уджӧ босьтчам |  | 1-4 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Н. К. | Выль закон гӧтрасьӧм йылысь да семья йылысь |  | 4-7 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Ен-пӧ (Якобы бог) | Чужлі-ӧ кристос? |  | 8-12 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Ордымӧд мунысь | Ӧнись Иван – погост рӧзӧритысь |  | 13-16 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Дӧзьӧритӧй скӧтнытӧ |  | 17-19 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Штрандт Л. | Кыдзи Ӧльӧш дядь шоныд карта вӧчис да унджык йӧв серӧдлысь босьтіс. Роч вылас л»сь»діс Спира Прокӧ | Комиӧдіс П. С. Попов | 20-23 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Порсьпиянӧс быдтӧм |  | 23-25 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Н. Ч. | Вика турун вӧдитӧй |  | 26 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Калашников | Врачлӧн сёрнияс |  | 27-29 | |- |
| 1926 №3 (декабр) |  | Мый вӧчны крестьянинлы (январь тӧлысьын) |  | 30 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Роч | Миян кооперация. Могъяс, рӧскодъяс да тӧвар дон |  | 31-33 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Парма | Нянь вайӧм йылысь |  | 34-35 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Попов А. | Кыдзи восьтавны видз-му уджалан кооперативъяс |  | 35-41 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Никс | Потребобществояслӧн мукӧд сикас кооперативъяскӧд йитӧд йылысь |  | 41-42 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Ж. Бор | Сёрнияс кооперативса собранньӧ вылын |  | 42-46 | |- |
| 1926 №3 (декабр) |  | Кооперация йылысь коми книгаяс |  | 46 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | А. Чард (Надеев А. Н.) | Вась Педӧр (Федор Васильевич Попов) |  | 47-48 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Ягзон (Игнатов Н. В.) | Ёртлы : Вась Педӧрлы | Кывбур | 49 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Вась Педӧр (Попов Ф. В.) | Гижӧдъясысь: Вотчам : Кывбур; Няньтӧмдыр : Поэма | Кывбур, Поэма | 49-51 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Казьтыштӧм (Ичӧт дырся) | Поэма | 51-52 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Ль. А. | Вежадыр | Висьт | 53-56 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Микӧла | Поэма | 57-58 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Спира Прокӧ (Попов Ф. В.) | Комсомол-частушкаяс |  | 58 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Шахов Е. | Кыйсьӧм. | Поэма | 59-60 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Кывйӧн ворсӧм | Кывпесан | 61 | |- |
| 1926 №3 (декабр) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Мырддис | Кывбур | 61 | |- |
| 1926 №3 (декабр) |  | Быдтор йылысь |  | 62-63 | |- |
| 1926 №3 (декабр) |  | Кутшӧм коми книгаяс эмӧсь |  | 64 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Н. Уль (Улитин Н. А.) | Ленин да ас сёрниа йӧз |  | 1-6 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Йоль М. (Безносова М. И.) | Овмӧс кыпӧдан удж |  | 7-12 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Минин | Судзсьытӧм крестьяналы колӧ ӧтувтчыны |  | 13-19 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Зиновьев М. | Сьӧм чӧжан кассаяс |  | 20-22 | |- |
| 1927 №1 (январ) |  | «Коддзӧдан нянь» |  | 23-24 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Трунда – бур вольыс |  | 25-26 | |- |
| 1927 №1 (январ) |  | Дӧзьӧритӧй скӧтнытӧ. Тыра кӧбыла вӧлӧс дӧзьӧритӧй, бура быдтӧй чибӧӧс |  | 27-31 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Спира-Прокӧ (Попов П. С.) | Мӧсъяслӧн зарокъяс |  | 32 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Коканин И. | Врачлӧн сёрнияс |  | 33-35 | |- |
| 1927 №1 (январ) | А. П. З. | Доймӧм бӧрти медводдза отсӧгъяс |  | 36-37 | |- |
| 1927 №1 (январ) |  | Крестьяналӧн уджъясыс певральын |  | 37-38 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Никс | Потребобществояслӧн ревизионнӧй комиссия да сылӧн уджыс |  | 39-40 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Т. да П-ов. | Тӧар вайӧм йылысь |  | 40-42 | |- |
| 1927 №1 (январ) |  | Миян потребобществоясын |  | 43-44 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Ленин | Кывбур | 45 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Ленин ёрт кулі |  | 46 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | Эрд вылын гу нӧрыс эм | Поэма | 46-48 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Кос Кабыр (Худяев И. Е.) | Олангаж | Висьт | 48-50 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Вӧралысь | Кывбур | 51 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Ӧпимныв | Пемыд югдӧ | Висьт | 52-58 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Эз ло сідзи | Кывбур | 59 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Вӧралысь Конӧ | Кывбур | 60 | |- |
| 1927 №1 (январ) | Вересов М. | Уна сикас юӧръяс |  | 63 | |- |
| 1927 №1 (январ) |  | Вӧчалам выль пабрик-заводъяс |  | 63-64 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Минин | Сарӧс путкыльтӧм |  | 1-4 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Н. П. | Гӧрд армия |  | 4-7 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Ен-пӧ | Йӧз пӧвстса ас вӧляа обществояс |  | 8-12 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Булышов | Неуна Сӧветъясӧ бӧрйысьӧм йылысь |  | 13-15 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Куим да нёль переменаӧн му уджалӧм |  | 16-18 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Т. | Ӧш делаяс |  | 18-20 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Н. Ч. | Мыйта менам мӧсъяс во чӧжӧн лысьтӧны йӧв |  | 20-21 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Н. Т. | Мыйла колӧ тӧдны мыйта мӧс йӧв лысьтӧ |  | 22-23 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Митов | «Вечоркаасьӧм» |  | 24-27 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Коканин И. | Врачлӧн сёрнияс. Мый вӧсна абу бур вина юӧм |  | 28-31 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Калашников | Челядьлӧн висьӧмъяс. Ракит |  | 31-33 | |- |
| 1927 №2 (февраль) |  | Крестьяналӧн уджъясыс март тӧлысьын |  | 34 | |- |
| 1927 №2 (февраль) |  | Во гӧгӧрся удж потребительса кооперациялӧн |  | 35-37 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Парма | Лотайтӧмъяс потребительса кооперацияын |  | 37-39 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Би | Бӧрӧ кольӧм потребобществояс |  | 39-40 | |- |
| 1927 №2 (февраль) |  | Миян могъяс |  | 41-42 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Симаков, Шевелев С. | Комсомол йылысь | Частушкаяс | 43 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Изъюр Иван (Изъюров И. В.) | Сельсӧветъяс бӧрйигӧн | Частушкаяс | 44 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Юсь (Лебедев М. Н.) | Видз-му уджалӧм йылысь; Бокӧвӧй нажӧтка йылысь; Выльногса олӧм йылысь | Частушкаяс | 44-47 | |- |
| 1927 №2 (февраль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Ставыслы | Частушка | 47-48 | |- |
| 1927 №3 (март) | Богданов А. | 15 конференция вылын партиялӧн уджалӧмыс |  | 1-11 | |- |
| 1927 №3 (март) | Д. Б. | Коми школалы – коми кыв |  | 11-14 | |- |
| 1927 №3 (март) | Виттор Наталь | Коми нывбаба |  | 15-19 | |- |
| 1927 №3 (март) | Куклин С. | Нюр косьтӧм |  | 19-22 | |- |
| 1927 №3 (март) | Симӧ Ярӧ Епим Иван (Кос Кабыр = Худяев И. Е.) | Куйӧд рудаяс : Коми дядьӧлы бурсиа |  | 22-27 | |- |
| 1927 №3 (март) | Н. Ч. | Скӧтӧс бурмӧдам йылысь |  | 28-29 | |- |
| 1927 №3 (март) | Оплеснин П. | Кысянь босьтчыны скӧт бурмӧдӧм вылӧ |  | 29-30 | |- |
| 1927 №3 (март) | Попов А. | 1925-26 воын видз-му уджалӧм да скӧт видзӧм паськалӧм |  | 30-34 | |- |
| 1927 №3 (март) | Иву Василь (Дерябин В. И.) | Кулиганитӧм йылысь |  | 35 | |- |
| 1927 №3 (март) | Коканин И. | Врачлӧн сёрнияс. Сёйӧм-юӧмыс да уджыс крестьянинлӧн | Советы врача. О питании и работе крестьянина (Продолж. См. 1927 №4 лб. 51-52) | 36-38  | |- |
| 1927 №3 (март) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Гымньӧв | Молния : Кывбур | 39-40 | |- |
| 1927 №3 (март) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Коми аньлы | Коми женщине : Кывбур | 40 | |- |
| 1927 №3 (март) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Бурасис | Смирился : Висьт | 41-42 | |- |
| 1927 №3 (март) | Пармазон (Тимушев А. П.) | «Мед кӧть гаддьӧсь менам ки...»; Важдор шогсьысь нывлы | «Ничего, что мои ладони с мозолями...»; Девушке, грустящей о прошлом : Стихотворения | 43 | |- |
| 1927 №3 (март) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | «Кымын нӧйтӧ, сымын мусмӧ» | «Хоть и бъет, а любимый : Висьт | 44-47 | |- |
| 1927 №3 (март) | Сюпи Кольӧ (Колегов Н.) | Сьӧкыда овлӧма : Важ нога олӧмысь | Трудно жилось : Из воспоминаний старой женщины | 47-48 | |- |
| 1927 №3 (март) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | «Нылка сьылӧ, бурлак ворсӧ | «Девочка поет, а мальчишка играет...» : Кывбур | 51 | |- |
| 1927 №3 (март) | Ликачёв М. (Лихачев М.) | Коми му; Пурга | Коми земля; Пурга : Стихотворения | 52-53 | |- |
| 1927 №3 (март) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Выль коми гижысьяс : Биа Ӧгыр | Молодые коми писатели : Я. И. Чупров | 54-57 | |- |
| 1927 №3 (март) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Том йӧзлы | Молодежи : Кывбур | 58 | |- |
| 1927 №3 (март) | Изъюр Иван (Изъюров И.) | Кык пельӧс | Два угла : Кывбур | 58 | |- |
| 1927 №3 (март) | Ярасов Б. | Нывлӧн думъяс | Мечты девушки : Кывбур | 58-59 | |- |
| 1927 №3 (март) | Ульныров Ӧль Ӧль. | Бурлак-морт; Петыр-тун | Молодой человек; Петр-знахарь : Кывбур | 59-60 | |- |
| 1927 №3 (март) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Мудер поп | Хитрый поп : Кывбур | 61 | |- |
| 1927 №3 (март) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Праздникъяс колльӧм | Проведение праздников : Поэма | 61-62 | |- |
| 1927 №3 (март) | Редакция | Колӧ тӧдны коми гижысьясӧс | Необходимо знать коми писателей | 62 | |- |
| 1927 №4 (апрель) |  | Ленинлӧн олӧмыс | Жизнь Ленина | 1-3 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | К. Н. | Областювса Сӧветъяслӧн квайтӧд съезд | Шестой областной съезд Советов | 4-9 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Минин | Тӧвар дон чинталӧм | Уценка товаров | 9-13 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Н. Уль (Улитин Н.) | Бурджыка пуктам уджсӧ | Хорошо поставить работу | 14-16 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Булышов | Йӧз костын ӧнія удж йылысь | О работе людей в настоящее время | 17-20 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Куклин С. Д. | Область пытшкын выль местаӧ овмӧдчыны мунӧм | Переселение на новое место жительства в той же области | 21-24 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Агроном К. | Мыйӧн вердны скӧтӧс : Абу кӧ тырмана туруныд | Чем кормить скот : Когда не хватает сена | 24-27 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Тун | Видз му уджалӧм | Работа в сельском хозяйстве | 28-34 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Исаков В. | Вӧдитӧй унджык картупель | Сажайте побольше картофеля | 35-39 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Мый сетӧ картупель | Что дает картофель | 39-40 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Щекин (агроном) | Видзьяснытӧ бурмӧдӧй | Улучшайте луга | 41-42 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Оплеснин П. | Градвыв пуктас вӧдитӧм йылысь | О разведении овощных культур | 43-50 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Коканин И. | Врачлӧн сёрнияс. Сейӧм юӧмыс да уджыс крестьянинлӧн | Советы врача. О питании и работе крестьянина : Окончание (Начало – 1927 №3 с. 36-38) | 51-52 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Иву Василь (Дерябин В. И.) | Кык во | Два года : Кывбур | 53 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И) | Вуджӧр | Тень : Кывбур | 54-55 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Ме локті | Я пришел : Кывбур | 56 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | Майбыр-Май : Бурсиа-кесйӧдла комсомолзонъяслы да комсомолнывъяслы | Хороший май : С добрыми по желаниями к комсомольцам и комсомолкам : Кывбур | 56-57 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Вӧрын | В лесу : Кывбур | 57 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Лихачев М. | Ленин туйӧд; Тулысса лунӧ | Ленинским путем; В весенний день : Кывбур | 58 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Пионеръяс | Пионеры : Кывбур | 59 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Манӧй Ӧньӧ | Челядьлы | Детям : Кывбур | 59 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Малыгин Ст. | Дугдӧ саксьыны | Хватит спорить : Кывбур | 60 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Сюзь | Тувсов лунӧ | В весенний день : Кывбур | 60 | |- |
| 1927 №4 (апрель) | Йоль М. (Безносова М.) | Мый сетӧ «Ордым» | Что дает «Тропа» | 61-64 | |- |
| 1927 №5 (май) | М. | Квайт во Коми Автономиялы | Шесть лет Коми Автономии | 1-4 | |- |
| 1927 №5 (май) | Минин | Гижӧд пыр дорам выль олӧм | Благодаря журналам и газетам строим новую жизнь | 4-7 | |- |
| 1927 №5 (май) | Булышев | Партия ячейкаяслӧн йӧзкоста уджыс гожӧмын | Работа партийных ячеек с людьми в летний период | 7-10 | |- |
| 1927 №5 (май) | Ворсин С. | Комсомоллӧн могъяс видз-му овмӧс кыпӧдан уджын | Задачи комсомола в развитии сельского хозяйства | 10-12 | |- |
| 1927 №5 (май) | Забелин В. | Вӧр сотчӧмкод вермасьӧм йылысь | Борьба с пожарами в лесу | 13-15 | |- |
| 1927 №5 (май) | Щекин (агроном) | Муяс вылын ёг турункӧд вермасьӧм | Борьба с сорняками | 16-17 | |- |
| 1927 №5 (май) | Исаков В. | Картупель дӧзьӧритӧм йылысь | Об уходе за картофелем | 17-19 | |- |
| 1927 №5 (май) | Попов Б. Н. (агроном) | Градвыв пуктӧс сёйысьяс | Вредители овощных культур | 19-24 | |- |
| 1927 №5 (май) | Н. Ч. | Дӧзьӧритӧй скӧтнытӧ | Ухаживайте за скотом | 25 | |- |
| 1927 №5 (май) | Коканин И. | Врачлӧн сёрнияс. Видзӧй сиктъясын мамъяслысь да кагаяслысь дзоньвидзалунсӧ | Советы врача. Берегите здоровье матери и ребенка в сельской местности | 26-29 | |- |
| 1927 №5 (май) | Парма | Тӧвар донтӧммӧдӧм | Уценка товаров | 30-32 | |- |
| 1927 №5 (май) | Н. | Сиктъясын вузасьӧм | Торговля в селах : отчет | 32-33 | |- |
| 1927 №5 (май) | П. | Донаӧсь-ӧ тӧваръяс Коми обласьтын? | Стоимость товаров в Коми области | 33-34 | |- |
| 1927 №5 (май) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | Вын петкӧдлан туй | Путь к силе : Кывбур, посвящ. Сук Парме (Фролову Н. А.) | 35-36 | |- |
| 1927 №5 (май) | Акиньпи (Старцев З. А.) | Асывводз | Раннее утро : Кывбур | 36 | |- |
| 1927 №5 (май) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Кыа; Тэд вылӧ абу ме... ; Гымтӧм зэр | Заря; Я не для тебя; Дождь без грозы : Кывбур | 37, 39 | |- |
| 1927 №5 (май) | Колегов Е. | Шор. Ада-рая костын | Ручей; Между адом и раем : Кывбур | 37, 39 | |- |
| 1927 №5 (май) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Чужанінӧй | Родина : Кывбур | 38 | |- |
| 1927 №5 (май) | Лихачев М. | Том кадӧ | В молодые годы : Кывбур | 40 | |- |
| 1927 №5 (май) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Коми аньлы; Юкмӧс дорын | Коми женщине; У колодца : Кывбур | 41, 43 | |- |
| 1927 №5 (май) | Изъюр Иван (Изъюров И.) | Ылі мусянь | Из далека : Кывбур | 41 | |- |
| 1927 №5 (май) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 42 | |- |
| 1927 №5 (май) | Сан Антус (Забоев А. С.) | Мыйла, кыдзи чужи коми литература | Как зародилась коми литература | 44-53 | |- |
| 1927 №5 (май) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Туйтӧм гижӧдъяс | Неподходящие произведения : Крит. заметки | 53-62 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Н. Уль (Улитин Н. А.) | Ставсоюзса Сӧветъяслӧн 4-ӧд съезд | 4-ый Всесоюзный съезд Советов | 1-9 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Булышов | Став му вылын йӧз кост оласног | Образ жизни между людьми на всей земле | 10-14 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Щетинин | Локтан вося сельхозналог | Сельхозналог в будущем году | 15-19 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Тит Паш Ив (Титов И. П.) | Мый позьӧ вӧчны том йӧз пӧвстын | Что можно организовать среди молодежи | 19-20 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Забелин В. | Вӧр видзӧм сотчӧмъясысь | Беречь лес от пожаров | 21-23 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Исаков В. | Картупель сісьмӧм | Гниение картофеля | 24 25 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Попов Б. Н. (агроном) | Муяс вылын вӧдитан турунъяс косьтӧм йылысь | О сушении трав, выращенных на полях | 26-28 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Жакова (агроном) | Кукань быдтӧм йылысь | О выращивании телят | 29-31 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Попов И. | Суд йылысь сёрнияс. Мыжалӧм йылысь сёрнияс | Разговор о суде. Об обвинении | 32-34 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Сим Вань (Симаков И. Н.) | Том йӧз водзӧ | Вперед, молодежь : Песня | 35 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Меным мамӧ... ; Том уджалысь йӧз | Мне мама... ; 'Молодые рабочие : Кывбур | 36-37 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Лебедев М. | Медбӧръя вӧт ; Мыйла нӧ, шондіӧй, вӧр сайӧ лэччӧмыд... ; Эжва и кузя ; Вузасьысь морт | Последний сон ; Почему же, солнышко, село ты за лесом ; Вниз по Вычегде ; Торговец : Кывбур | 38-40 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Симаков И. Н. | Рытын | Вечером : Песня | 40 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Гаврил Федор | Колльӧм; Муна, лэчча ыджыд шор дінӧ | Проводы; Пойду спущусь к светлому ручью : Песни | 43; 45-46 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Лихачев М. | Ми дорсьысьяс | Мы – кузнецы : Песня | 44 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Коми кыв | Коми язык : Крит. очерк | 47-49 | |- |
| 1927 №6 (юнь) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Шогмытӧм гижӧдъяс | Плохие произведения : Крит, заметка | 50-61 | |- |
| 1927 №6 (юнь) |  | Кутшӧм выль коми книгаяс эмӧсь | Какие новые книги изданы : Список лит. | 62 | |- |
| 1927 №7 (юль) | М. | Лӧсьӧдчад-ӧ ті Октябрса революциялы дас во тыран лун кежлӧ? | Готовитесь ли вы к 10-летию Октябрьской революции? | 1-6 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Падейпи Педьӧ | Кыдзи вӧчны вӧлӧстювса бюджет | Как сделать волостной бюджет | 6-9 | |- |
| 1927 №7 (юль) | А. Е. | Комсомоллӧн войнаса удж | Работа комсомола в период войны | 10-12 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Д. Б. | Став челядьӧс велӧдӧм | Всеобщее обучение детей | 13-18 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Исаков В. | Кутшӧм ногӧн ӧдйӧджык крестьяналы позьӧ овмӧссӧ кыпӧдны | Каким образом можно ускорить восстановление крестьянского хозяйства | 19-23 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Щекин (агроном). | Корджык кӧдзны сю | Когда лучше посеять рожь | 24-25 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Жакова (агроном). | Уна переменаӧн му уджалӧм йылысь | О севообороте земли | 26-29 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | Гортладоръясӧд | В своих краях : Записки писателя | 30-32 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | Ӧд талун миян праздник | Сегодня наш праздник : Кывбур | 33 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Юсь (Лебедев М. Н.) | Ме кӧ, эськӧ, верми... ; Эзысь тӧлыся вой | Если б я мог; Серебрянная лунная ночь : Кывбур | 34-36 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Колегов Е. | Кыйсьысь зон : (Пармазон) | Парень-охотник : Кывбур | 35 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Омра | Сойва кузя | По Сойве : Кывбур | 36 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Ичӧт Ӧльӧ | Маленький Алеша : Висьт | 37-43 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Гаврил Федор | Ок, паськӧда ме гармошка | Ох, разверну я гармонь : Песня | 44 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Кудымов С. | Частушкаэз | Частушки | 45 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Войвыв океан; Печера кузя | Северный океан; Вниз по Печоре : Кывбур | 46-47 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Шаксей Ваксей | Селькорлӧн удж | Работа селькора : Кывбур | 48 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Юсь | Лебедь : Кывбур | 48 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Типӧсиктса Иван (Габов И. Н.) | Нывъяслӧн сьылӧм | Девушки поют : Кывбур | 49 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Буйныр (Доронин П. Г.) | Войпукӧм | Посиделки : Частушки | 50-52 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Частушкаяс | Частушки | 52 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | «Кыті вӧсни, сэті-й орӧ» | Где тонко, там и рвется : Висьт | 53-55 | |- |
| 1927 №7 (юль) | «Томкор» | «Микол ордын мургӧны ...» | «Все сидят у Николая...» : Кывбур | 56 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | «Пыдди эз пуктывны...» | «Не уважали...» : Кывбур | 56 | |- |
| 1927 №7 (юль) | Нестеров А. | «Ордымӧй», «Ордымӧй», кысь бара чужин тэ...» | «Тропа», «Тропа», откуда ты берешь свое начало...» : Кывбур | 56 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | К. Н. | Тӧлысьчӧжся вӧвлӧмторъяс | События за месяц : Очерк | 1-5 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Жданов Д. | Йӧзлысь пемыдлун бырӧдан удж локтан велӧдчан во кежлӧ | Ликвидация безграмотности к наступающему учебному году : Очерк | 5-10 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Тимӧ Опонь | Крестьянакостса воана 3-ӧд заем | 3-й заем, приходящийся на крестьян : Очерк | 11-13 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Тит Паш Ив (Титов И. П.) | Комсомоллӧн да том йӧзлӧн выль во кежлӧ велӧдчан удж | Учеба комсомола и молодежи к новому году : Очерк | 14-16 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Юркин В. | Областювса 8-ӧд партия конференция водзын сулалан уджъяс | Задачи, стоящие перед 8-ой областной партийной конференцией : Очерк | 17-20 | |- |
| 1927 (август-сентябр) |  | Партиялӧн политика йылысь тӧдмӧдан удж сиктъясын | Ознакомительная работа партии о политике в селах : Очерк | 21-22 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Дим | Мый колӧ вӧчны ячейкаяслы велӧдчан удж бурмӧдӧм кузя | Что нужно сделать ячейкам в улучшении учебной работы : Очерк | 22-24 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Исаков В. | Кутшӧм бур сетӧ уна переменаӧн му уджалӧм | Какую пользу дает земля от севооборота : Очерк | 25-26 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Исаков В. | Кутшӧм ногӧн ещӧ муа крестьяналы медбур уна переменаӧн му уджавны | Чем выгоден для крестьян севооборот земли : Очерк | 27-30 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Ӧлек Ӧндрей (Попов А. А.) | Миян лыддьысян керкаяслӧн удж | Работа изб-читален : Очерк | 31-37 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Жакова (агроном). | Кыдзи колӧ идравны да видзны тӧлын мӧссёркни, сёян сёркни, свеклӧ, морков да мукӧд пӧлӧс пуктасъяс | Как нужно убирать и сохранять в зимнее время турнепс, репу, свеклу, морковь и другие овощные культуры : Очерк | 30-41 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Наклупин | Кыдзи мунісны кольӧм воясӧ да таво кӧдзан удж компанньӧяс. Мый найӧ петкӧдлісны | Как прошли посевные кампании в прошлом и нынешнем годах. Что они показали : Отчет | 42-46 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Шыладорса Миш (Доронин М. П.) | Кымынкӧ кыв сиктса том йӧз оласног йылысь | Несколько слов об образе жизни сельской молодежи : Очерк | 47-49 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Попов И. | Суд йылысь с`рнияс. Уголовнӧй мыж вӧчӧм да обществоӧс дорйӧм | Разговоры о суде. Уголовное преступление и защита общества : Очерк | 50-52 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Парма | Тӧвар донтӧммӧдӧм | Уценка товаров | 53-56 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Дасӧд во; Ар | Десятый год; Осень : Кывбур | 57-59 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Гӧрд салдатӧ мунӧм | Проводы в Красную Армию : Песня | 58 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Демон | Ӧтувтчӧмын – вын | В объединении – сила : Кывбур | 59 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Колегов Е. | Китайын | В Китае : Кывбур | 60 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Лебедев М. | Ме талун аслым вӧля сета.. | Я сегодня себе позволю... : Песня | 61-62 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Вӧр | Лес : Кывбур | 62 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Бобыль Иван | Бобыль Иван : Висьт | 63-69 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Баярса Иван (Вавилин И. М.) | Ыджыд сват | Большой сват : Висьт | 69-70 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Изъюр Иван (Изъюров И. В.) | Мӧсъяс баксӧны | Мычание коров : Висьт | 71-72 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Мӧс видзӧм; Частушкаяс | Как мы пасли коров : Кывбур; Частушки, посвящ. будущим солдатам Красной армии | 72, 74 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Баярса Иван (Вавилин И. М.) | Вӧралысь Педь | Охотник Федор : Кывбур | 73 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Пилитчан завод; Арын | Лесопильный завод; Осенью : Кывбур | 74-75 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Изъюр Иван (Изъюров И. В.) | Выль ногӧн | По – новому : Висьт | 76-78 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Омра | Ичӧт да гажа | Маленький и веселый : Кывбур | 79 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Колльысьысь | Провожающий : Кывбур | 80 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Том олӧм | Молодость : Песня | 80 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Конан Ӧльӧксан | Гӧлиник Порӧ | Бедненький Порӧ : Кывбур | 81 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Омра | Мыйла муса коми ань | Почему мила коми женщина : Песня | 82 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Симаков Вань (Симаков И. Н.) | Синнас аддзыліс | Видел своими глазами. Висьт | 83-84 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Сажин И. И. | Ыджыд аттьӧ агрономлы | Большое спасибо агроному : Висьт | 85-88 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Типӧсиктса Иван (Габов И. Н.) | Чолӧм быттьӧ | Вместо привета : Кывбур | 89 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | «Ордымлы» | «Ордыму» (Тропе) : Кывбур | 89 | |- |
| 1927 (август-сентябр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Кыдзи бурджыка колльӧдны рытъяс Октябр праздник дырйи | Как лучше проводить вечера во время праздника Октября : Метод. советы | 90-102 | |- |
| 1927 (август-сентябр) |  | Юӧртас | Оглавление | 103-104 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Ен-пӧ | Дас во | Десять лет : Очерк | 1-7 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Ӧлек Ӧндрей (Попов А. А.) | Кыдзи воим Октябрса революцияӧдз | Как пришли к Октябрьской революции : Очерк | 8-14 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Минин | Коді веськӧдлӧ революцияӧн | Кто руководит революцией : Очерк | 14-19 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | М. | Кутшӧм туйясӧд муніс дас вося овмӧс кыпӧдан удж | Как шла работа по развитию хозяйства в течении десяти лет : Очерк | 20-24 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Н. Уль (Улитин Н. А.) | Сӧветъяс лӧсьӧдӧм | Организация Советов : Очерк | 25-31 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Коми Мишӧ (Мишин М. И.) | Вӧлӧстювса Сӧветъяслӧн удж | Работа волостных Советов | 31-34 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Богданов А. | Йӧзӧс велӧдӧм | Обучение народа : Очерк | 35-39 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Коми литература да коми театр ; Газетъяс да журналъяс Комилӧн | Коми литература и коми театр; Газеты и журналы Коми : Очерки | 40-44 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Коканин И. (врач). | Дзоньвидзалун кутӧм | Беречь здоровье | 44-50 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | К. Н. | Областювса овмӧс кыпӧдӧм | Подъем областного хозяйства : Очерк | 51-57 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Попов А. В. (агроном). | Видз-му вӧдитӧм да скӧт видзӧм | Развитие сельского хозяйства : Очерк | 57-65 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Т. М. | Вузасьӧм да потребительса кооперация миян областьын | Торговля и потребительская кооперация в нашей области : Очерк | 66-71 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Падейпи Педь | Областювса бюджет да финансъяс | Областной бюджет и финансы : Очерк | 72-76 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Водзӧ | Вперед : Кывбур | 77 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Октябр | Октябрь : Кывбур | 78 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Сим Вань (Симаков И. Н.) | Колӧ тӧдны; «Роман-пу»; Аньяслы | Надо знать; «Романовщина»; Женщинам : Кывбур | 78-79; 87 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Бӧръя сьылӧм | Последняя песня (отр. из поэмы «Идут») | 80-81 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Васьӧпи | Некор оз вун.. | Никогда не забудется : Кывбур | 82 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Вына том войтырлы | Молодежи : Кывбур | 82 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Гӧль Морт (Лебедев М. Н.) | Сардырся ӧлӧм | Жизнь при царе : Поэма | 83-86 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Омра | Тӧвлӧн да вӧр ділӧн тыш | Борьба ветра с подлеском : Поэма | 87-91 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Юсь (Лебедев М. Н.) | Омӧль во | Плохой год : Кывбур | 92 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Частушкаяс; Ыж сейысь пон | Частушки; Собака, съевшая овцу : Кывбур | 93, 94 | |- |
| 1927 №10 (октябр) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Кось вылӧ | В бой : Кывбур | 93 | |- |
| 1927 №10 (октябр) |  | Юӧртас | Оглавление | 95 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) |  | «Ордым» уджалӧ | «Ордым» («Тропа») работает : От редакции | 1-3 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) |  | Выль отсӧгъяс уджалысь йӧзлы | Новая помощь трудящимся : О Манифесте Центр. ком. СССР | 4-5 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | К. Н. | Овмӧс кыпӧдан удж дас воӧн | Подъем хозяйства за 10 лет : Докл. тов. Куйбышева на юбилейной сессии ЦИК СССР | 6-10 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Ӧлек Ӧндрей (Попов А. А.) | Видз-му удж бурмӧдан туйяс | Пути улучшения сельского хозяйства : Постановление Ком. партии на 8-й Коми обл. парт. конф. | 11-16 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Йоль М. (Безносова М. И.) | Рӧскодъяс удж нуӧданіъясын чинтӧм йылысь | Об уменьшении расходов на рабочих местах | 17-20 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Исаков В. | Мыйла колӧны миянлы видз-му уджалан кружокъяс | Зачем нам нужны сельскохозяйственные кружки | 21-23 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Кузиванов Е. | Кӧр видзӧмысь да звер кыйӧмысь докод | Прибыль от оленеводства и охоты | 23-27 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Жакова А. | Дӧзьӧритӧй скӧтнытӧ. Кыдзи колӧ видзны лысьтан мӧскӧс | Ухаживайте за скотом. Как нужно содержать дойную корову : Советы агронома | 28-31 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Е. Ӧ. | Тыра мӧскӧс да куканьӧс чужӧм бӧрын дӧзьӧритӧм | Уход за стельной коровой и новорожденным теленком : Советы | 32-34 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Н. Ч. | Кыдзи колӧ видзны нёньӧдчысь кӧбыла-вӧлӧс | Как нужно содержать кормящую кобылу-лошадь : Указания | 34-35 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Е. Ӧ. | Войпуканінъясын югдӧдчан удж нуӧдӧм | Просветительная работа на местах, где проводятся посиделки | 35-36 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) |  | Том гижысьяслӧн олӧмныс : Биа Ӧгыр, Сим Вань, Спира Прокӧ  | Биографии молодых писателей : Я. И. Чупров, И. Н. Симаков, П. С. Попов | 37-42 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | Гӧрд Октябр | Красный Октябрь : Кывбур | 43 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Кӧдзыд тӧлын | Холодной зимой : Кывбур | 44 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Шева-чуман | Кӧрзина с порчей : Висьт | 44-46 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Том дырйиыд; Кузь туй | В молодости; Длинная дорога : Кывбур | 47; 50 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Войтӧвкӧд вермасьӧм | Борьба с северным ветром : Кывбур | 47-48 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | П. Кодзув (Козлов З. А.) | Тӧв | Зима : Кывбур | 48 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Югыдланьӧ петӧй!; Яков | Просвещайтесь!; Яков : Кывбур | 49, 50 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | С. М. | Поптӧг | Без попа : Кывбур | 49 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Емва М. (Тягинов М.) | Ош кыйӧм | Охота на медведя : Висьт | 51-52 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Иван Вась (Елькин В. И.) | «Югыд би» | «Ярки й огонь» : Кывбур | 53 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Васьӧпи | Воӧма ар; Велӧдчыны мун! | Пришла осень; Иди учиться! : Кывбур | 53, 57 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Сим Ваньлӧн гижӧмыс | Творчество И. Н. Симакова : Крит. очерк | 54-57 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | «Му вежандыр» | «Время светопредставления» : Поэма | 58-63 | |- |
| 1927 №11 (ноябр) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Парасковья; Лым | Прасковья; Снег : Кывбур | 63-64 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Минин | Сӧветъясӧ бӧрйысьӧм | Выборы в Советы | 1-6 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Иголкин | Партия да оппозиция | Партия и оппозиция | 7-11 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Падейпи Педь | Миян тавося бюджет | Наш нынешний бюджет | 12-17 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Сан Антус (Забоев А. С.) | Видзӧй вӧр! | Берегите лес! | 18-20 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Исаков В. | Кыдзи колӧ уджавны видз-му удж велӧдан кружокъясын | Как необходимо работать кружкам, обучающим работе в сельском хозяйстве : Метод. рекомендации | 21-23 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Исаков В. | Колӧ ёнджыка кутчысьны шабді вӧдитны | Необходимо как следует взяться за разведение льна | 24-27 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Вӧтчамӧй ставӧн Асъя кыа бӧрся | Будем следовать примеру Утренней зари : Висьт | 27-З1 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | П-ов (ветврач) | Дӧзьӧритӧй скӧтнытӧ. Кӧвйӧн висьӧм скӧтлӧн | Ухаживайте за скотом. Заражение скота глистами | 32-34 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Ентӧдтӧм | Колӧ водзсасьны енлы эскӧмкӧд | Необходимо бороться против веры в бога | 35-41 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Коканин И. С. (врач) | Врачлӧн сёрнияс. Мамлысь да кагалысь дзоньвидзалун кутан удж | Советы врача. Забота о здоровье матери и ребенка | 42-44 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Сахаров | Тӧдмалӧй уджалӧмсӧ потребительса кооперациялысь | Ознакомтесь с работой потребительской кооперации | 45-47 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | А. К. | Комсомоллӧн уджыс потребительса кооперативъясын | Работа комсомола в потребительской кооперации | 48-50 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Челядьлы | Детям : Кывбур | 51 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | «Кулӧмдінса бунт» | «Бунт в Усть-Куломе : Пьеса | 52-58 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Черань да гут (роч вылысь); «Гожӧмбыд мырсьӧмӧн.. | Паук и муха : Басня (пер. с рус.); «Трудились все лето...» : Кывбур | 59 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Шыладорса Миш (Доронин М. П.) | Нимтӧм | Без имени : Поэма | 60 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | «Светтьӧ» | «В крещение» : Висьт | 61-63 | |- |
| 1927 №12 (декабр) | Томов И. | «Ордым» | «Тропа» : Кывбур | 64 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Минин | Крестьяна костын удж | Работа среди крестьян : Постановление 15-го съезда партии | 2-7 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Оботуров | Партиялы воча мунысьясӧс ветлім партияысь | Исключили из партии тех, кто против нее | 8-10 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Ен-пӧ | Обласьтувса овмӧс кыпӧдӧм локтан вит воын | Подъем областного хозяйства в будущей пятилетке : Указания обл. ком. и контр. комис. пленума Компартии | 11-16 | |- |
| 1928 №1 (январ) | К. Н. | Осовиахим обществолӧн ӧнія уджыс | Работа общества осоавиахима | 17-20 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Крестьяналысь овмӧснысӧ кыпӧдӧм вылӧ удждысьӧм | Заем на развитие крестьянского хозяйства | 21-23 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Ӧльӧксей Костин | Гӧль крестьяна костын удж | Работа среди бедных крестьян | 23-29 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Д. Ж. | Комиӧн велӧдӧм да роч кыв ичӧт школаын | Преподавание коми и русского языков в малокомплектных школах | 29-32 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Модянов А. | Дӧзьӧритӧй скӧтнытӧ. Кыдзи колӧ видзны порсьӧс | Ухаживайте за скотом. Как нужно содержать свинью | 33-36 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Попов | Кыдзи-мый гижны «Ордымӧ» сиктъяссянь | Как и что писать сельским жителям в «Ордым» : Метод. рекомендации | 37-38 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Попов А. (агроном) | Кутшӧм пӧльза да отсіг сетӧ крестьянинлы кооперация | Какую пользу и помощь дает кооперация крестьянину | 39-42 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Исаков В. | Кутшӧм бур сетӧны машиннӧй тӧвариществояс | Какую пользу дают машинные товарищества | 43-45 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Попов А. | Удждысян тёвариществоясын выль устав вылӧ вуджӧм йылысь | О переходе на новый устав товариществ, пользующихся займом | 46 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | Ленин гу дорын | У гроба Ленина : Поэма | 47-50 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Гыяслы паныд.. | Навстречу волнам : Кывбур | 50 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Иван Вась (Елькин В. И.) | Ленин ёртлы | Товарищу Ленину : Кывбур | 51 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Ентӧдтӧм сьыланкывъяс : Частушкаяс | Безбожные песни : Частушки | 51-52 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Тит Паш Вань (Титов И. П.) | Коми ань : Типӧсиктса Паралась йылысь | Коми женщина : Висьт о Прасковье из д. Троицк | 53-54 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Шыладорса Миш (Доронин М. П.) | Малань | Маланья : Поэма | 55-58 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Митипер | Ур кыйӧм | Охота на белку : Кывбур | 59 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Джуджыд керӧсын | На высокой гӧре : Песня | 59-60 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Выль олӧмлань | К новой жизни : Висьт | 61-63 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Некор оз вун .. | Никогда не забудется : Кывбур | 63 | |- |
| 1928 №1 (январ) | Редакция | Ысталой сьыланкывъяс | От редакции. Присылайте в «Ордым» песни : просьба редакции | 64 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) |  | Мукӧд государствояс костын ӧлӧмыс. Налӧн война кежлӧ лӧсьӧдчӧмыс | Международная жизнь. Подготовка капиталистических государств к войне | 1-6 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Анисимова Н. | Март 8-ӧд лун. Нывбабаяслӧн Ставмувывса праздник. | 8-е марта. Международный женский день | 7-9 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Коми Мишӧ (Мишин М. И.) | Сӧветбердса секцияяслӧн уджыс | Работа секций при Советах | 9-11 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Заболотский | Том йӧзӧс гӧрд армияӧ босьтӧм | Призыв молодежи в Красную Армию | 12-14 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Н. П. | Районъяс лӧсьӧдалӧм йылысь | Об организации районов | 15-16 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Попов Б. Н. (агроном) | Видз-му овмӧс воысь-воӧ ёнмӧ | Сельское хозяйство крепнет из года в год : Отчет обл. упр. сел. хоз-ва за 1927 г. | 17-21 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Исаков В. | Кыдзи ыджыдджык доход босьтны шабді вӧдитӧмысь | Как получить побольше дохода за разведением льна | 22-25 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | А. К. | Кутчысьӧй бырӧдны бюрократизм | Беритесь за ликвидацию бюрократизма | 25-28 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Коканин И. С. (врач) | Кыдзи вердны да быдтыны кагаӧс | Как кормить и растить ребенка | 28-33 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | С. Ф. | Видз-му овмӧс кыпӧдӧмлы удждысьӧм : (1926-27-ӧд воын уджалӧмыс) | Заем на подъем сельского хозяйства : Работа в 1926-27 гг. | 34-37 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Каров Ӧльӧксан (Карманов А.) | Кось дырйи | Во время боя : Кывбур | 38 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Чери кыйысьяс | Рыболовы : Кывбур | 39-40 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Чапаев : (Сьывсьӧ «Ермак» ногӧн) | Чапаев : Песня (на мотив «Ермака») | 41 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Ч. В. Т. (Чисталёв В. Т.) | Збыль кывбертъяс | Правдивые скороговорки : Шк. частушки | 42-43  | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Ёна кевмис.. | Очень просила : Кывбур | 43 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Гӧрд Армия | Красная Армия : Песня (на мотив «Марш Буденного») | 44-45 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Тит Паш Вань (Титов И. П.) | Кык час мысти | Через два часа : Висьт | 45-49 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Катя : (Еджыдъяскӧд вермасьӧм дырся висьт) | Катя : (Висьт о борьбе с белыми) | 50-53 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Тит Паш Вань (Титов И. П.) | Тӧвся рытын ӧтнас | Один в зимний вечер : Кывбур | 53 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Ярасов Б. | Нывбаба чукӧрлы | Женщинам : Кывбур | 54 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Сим Вань (Симаков И. Н.) | Водзӧ пыр мунӧ | Идет все вперед : Кывбур | 55 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Йӧнӧ Епим Миш. | Чойяс да вокъяс | Братья и сестры : Кывбур | 56 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Пемыд гуранысь – югыдлань | Из темноты к свету : Висьт | 56-58 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Эжва йи улӧ | Под лед в Вычегду : Висьт | 58-59 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | Мам | Мать : Поэма | 59-61 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Мактрен перйис аслыс сюсьлун | Матрена поумнела : Висьт | 61-62 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Бипур дорын | У костра : Кывбур | 63-64 | |- |
| 1928 №2 (феврлль) |  | Юӧртас | Содержание | 65 | |- |
| 1928 №3 (март) | Вӧрлэдзысь (Лесоруб). | Вӧр лэдзӧм йылысь | О лесозаготовке | 1-9 | |- |
| 1928 №3 (март) | Зиновьев М. | Сиктса овмӧс бурмӧдны, культура кыпӧдны крестьяна асьныс тшӧтш отсаласны | Крестьяне сами помогают в улучшении сельского хозяйства и в подъеме культуры | 10-13 | |- |
| 1928 №3 (март) | Торлопов А. | Овмӧс кыпӧдӧмлӧн туйясыс | Пути повышения состояния хозяйства : Из постановлений партии на 15-ом съезде | 13-15 | |- |
| 1928 №3 (март) | Неволин А. | Отсаламӧй став мувывса революционеръяслы | Поможем революционерам всех стран | 16-18 | |- |
| 1928 №3 (март) | М. | Сиктса политшколаясын велӧдчӧм | Учеба в сельских политшколах | 19-23 | |- |
| 1928 №3 (март) | Б. Н. П. | Гӧран-кӧдзан удж кежлӧ лӧсьӧдчӧм | Подготовка к посевным работам | 24-26 | |- |
| 1928 №3 (март) | Модянов А. | Бур абу иза му вынсьӧдан | Хорошо ли удобрять каменистую почву | 27-30 | |- |
| 1928 №3 (март) | Порначев П. | Кутшӧм пӧльза сетӧ крестьянинлы мӧссеркни вӧдитӧм | Какую пользу крестьянину дает выращивание турнепса | 31-33 | |- |
| 1928 №3 (март) | Исаков В. | Кыдзи бурмӧдны татчӧс вӧвъясӧс | Как улучшить породу местных лошадей | 33-35 | |- |
| 1928 №3 (март) |  | Эфирнӧй выйяс йылысь | Об эфирных маслах | 35-39 | |- |
| 1928 №3 (март) | Коканин И. С. (врач) | Врачлӧн сёрнияс. Кыдзи колӧ лӧсьӧдны висьмӧм-доймӧм йӧзлы пырысь-пыр жӧ отсӧг сетан удж | Советы врача. Как необходимо поставить работу по оказанию экстренной помощи больным | 40-42 | |- |
| 1928 №3 (март) | Ляпунов П. | Тундраын кӧр видзысьяслӧн олӧмыс | Жизнь оленеводов в тундре | 43-44 | |- |
| 1928 №3 (март) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Делегатка | Кывбур | 45 | |- |
| 1928 №3 (март) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Кадъя нюр | Топкое болото : Висьт | 46-48 | |- |
| 1928 №3 (март) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | Вой му | Северная земля : Кывбур | 49 | |- |
| 1928 №3 (март) | Баярса Иван (Вавилин И. М.) | Войвывса дзирдалӧм | Северное сияние : Кывбур | 49 | |- |
| 1928 №3 (март) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Кык шой | Два трупа : Висьт | 50-53 | |- |
| 1928 №3 (март) | Шаков (Шахов) | Югӧр | Луч : Кывбур | 53 | |- |
| 1928 №3 (март) | Тит Паш Вань (Титов И. П.) | Ва воссяс, сёян вежсяс | Река откроется, пища изменится : Висьт | 54-55 | |- |
| 1928 №3 (март) | Шомысова А. | Тувсов войяс | Весенние ночи : Кывбур | 56 | |- |
| 1928 №3 (март) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Со кӧні веськыд туйыс | Вот она гда прямая дорога : Висьт | 57-58 | |- |
| 1928 №3 (март) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Гуся кӧйдыс | Потайное зерно : Кывбур | 59 | |- |
| 1928 №3 (март) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Сьӧд шор | Черный ручей : Висьт | 60-61 | |- |
| 1928 №3 (март) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Семук | Семочка : Висьт | 62-64 | |- |
| 1928 №4 (апрель) |  | Юӧртас | Содержание |  | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Ен-пӧ | Партияса ячейкаяслӧн могъясыс тувсов гӧра-кӧдза уджын | Задачи партийных ячеек в период посевных работ | 1-2 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Минин | Тӧждысям овны мирӧн | Заботимся о мирной жизни | 3-5 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Д. Ж. | Кыпӧдам культура | Развиваем культуру | 5-7 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Забелин В. | Дӧзьӧритӧй вӧр | Берегите лес | 8-10 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Коканин И. С. (врач) | Врачлӧн сёрнияс. Пистиӧн висьӧм | Советы врача. Заболевание оспой | 11-13 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Исаков В. | Матысмӧ кӧдзан кад. Колӧ кӧдзны весалӧм кӧйдысӧн | Приближается время сева. Нужно сеять очищенным зерном | 14-16 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Исаков В. | Шабді вӧдитӧм вылӧ задаткияс сеталӧм йылысь | О выдаче задатков на разведение льна | 17-18 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Коськӧм вылӧ кӧдзӧм йылысь | О севе на паровых полях | 19-21 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Каль Вань | Иза мувынсьӧданторъяс ёна содтісны идлысь урожайсӧ | Гранулированные удобрении сильно повысили урожай ячменя | 21-22 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Максим Горький | К 60-летию содня рождения писателя | 23-25 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | В. Ч. | Кирпич заводӧ медаси ме.. | Нанялся я на работу на кипичный завод... : Песня «Кирпичики» / пер. с рус. | 26-27 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Кыа петігӧн | Когда занималась заря... : Песня на мотив «Узника» | 28 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Тувсов вой | Весенняя ночь : Кывбур | 29 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Мича ныв | Красивая девушка : Кывбур | 29-30 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Том йӧзлӧн гаж | Веселье молодежи : Песня на мотив «Среди лесов дремучих» | 31 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Рытья ӧтка нывлӧн | Одинокая девушка при вечерней заре : Песня на мотив «Вечерней зари» | 32 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И :) | Узьӧ мича ныл | Спит красавица | 32 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Машук да Пашук | Машенька и Пашенька : Песня | 33-35 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Частушкаяс; «Кӧн менам мича платтьӧ...» | Частушки; «Где мое красивое платье...» : Кывбур | 36-37 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Потолицын П. | «Кутшӧм ӧдъя тайӧ пывсян...» | «Как много жара в этой бане» : Кывбур | 38 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | П. Кодзув (Козлов З. А.) | «Войдӧр Ваньӧ вина дорӧ...» | «Раньше Ваня к спиртному. . Кывбур | 30 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Лихачев М. | Водзджык олім. Частушкаэз | Раньше жили : Частушки на мотив «Раз полоску Маша жала»; Частушки | 39-40 | |- |
| 1928 №4 (апрель) |  | Пӧлата. Ылын вӧрын | Палата; Далеко в лесу : Нар. песни | 40 | |- |
| 1928 №4 (апрель) |  | Салдатӧ колльӧдӧм / Пасйис Ч. Т. В. ; «Ок, милӧйӧй, милӧйӧй | Проводы в солдаты / Записал Чисталёв В. Т. ; «Ох, милый ты, милый... : Нар. песни | 41 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Опоньлӧн вӧтыс | Сон Афанасия : Висьт | 42-43 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Пӧрыськӧд | Со стариком : Кывбур | 44 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Сюпи Кольӧ (Колегов И.) | Тӧдтӧм саяд ог мун | Не пойду замуж за незнакомого : Висьт | 45-49 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Погода мунӧм | Погода натворила : Висьт | 50-51 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | Вӧлі шоныд, гажа тулыс! | Была теплая, красивая весна! : Песня на мотив «Понапрасну Ванька ходишь» | 51 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | П. Кодзув (Козлов З. А.) | Со, дивӧ руч шедӧма | Что за диво, лиса попала в капкан : Висьт | 52-53 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Тшай | Чай : Висьт | 54-57 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Кирӧ Мить (Шарапов Д. К.) | Тувсов войӧ Эжва дорын | В весеннюю ночь у Вычегды : Кывбур | 57 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Т. П. | «Руч кыйӧм» | «Охота на лису» : Висьт | 50 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | В. Т. | Петкӧдліс тай пуж | Показал, где раки зимуют : Висьт | 59-60 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Куим пӧрйӧ радейтлӧм | Любовь в три периода : Висьт | 60-63 | |- |
| 1928 №4 (апрель) | Лихачев М. | Инькалӧ | Женщине : Кывбур -коми-перм. яз. | 64 | |- |
| 1928 №5 (май) | М. Йоль (Безносова М. И.) | Автономиялы сизим во тыригӧн | К семилетию Автономии | 1-5 | |- |
| 1928 №5 (май) | Иголкин | Нелючкияс миян сиктса уджын | Недостатки в нашей сельской работе | 6-8 | |- |
| 1928 №5 (май) | Н. Уль (Улитин Н. А.) | Коммунист партия Центральнӧй Комитетлӧн да Контрольной Комиссиялӧн апрельса ӧтувъя пленум | Апрельский совместный пленум Центрального Комитета Коммунистической партии и Контрольной Комиссии | 8-13 | |- |
| 1928 №5 (май) | Парма | Кыдзи кооперативӧс ёнмӧдны | Как укрепить кооператив | 13-14 | |- |
| 1928 №5 (май) | К. Ӧ. | Том йӧзлы мог дӧзьӧритны сиктса обществоса овмӧс | Задача молодежи – оберегать сельское общественное хозяйство | 15-16 | |- |
| 1928 №5 (май) | Читса Виттор Иван | Том йӧз да енлы эскӧм | Молодежь и вера в бога | 17-18 | |- |
| 1928 №5 (май) | Коканин И. С. (врач) | Врачлӧн сёрнияс. Велӧдчӧй висьӧмъяскӧд вермасьны | Советы врача. Научитесь бороться с болезнями | 19-22 | |- |
| 1928 №5 (май) | Манухин А. И. (агроном) | Кыдзи содтыны кӧдза места 25 прӧчент вылӧ выль муяс лӧсьӧдтӧг | Каким образом повысить урожайность на 25 процентов без вновь освоенных пашень | 23-28 | |- |
| 1928 №5 (май) | Исаков В. | Мыйӧн гӧрны-агсавны муяс | Чем пахать-бороновать поля | 28-30 | |- |
| 1928 №5 (май) |  | Трунда бур му вынсьӧдантор | Торф – хорошее удобрение | 31-32 | |- |
| 1928 №5 (май) | Е. Ӧ. | Картупель сетӧ ыджыд докӧд | Картофель дает большую прибыль | 33-35 | |- |
| 1928 №5 (май) | Лукин | Кыдзи лӧсьӧдны артель | Как организовать артель | 35-38 | |- |
| 1928 №5 (май) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Коми му | Коми земля : Кывбур | 39-41 | |- |
| 1928 №5 (май) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Варыш поз | Ястребиное гнездо : Кывбур | 42 | |- |
| 1928 №5 (май) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | «Кӧсъя ме сьыланкыв тэчны...»; «Тэ кылан – ми сьылам...»; «Тӧдчӧ кыа.. | «Хочу я песню сложить...»; «Ты слышишь – мы поем...»; «Заря занимается...» : Кывбур | 43  | |- |
| 1928 №5 (май) | Шаков (Шахов) | Йӧлӧга | Эхо : Кывбур | 44 | |- |
| 1928 №5 (май) | М. | Изны некӧн вӧлі | Перемолоть было негде. Висьт | 45 | |- |
| 1928 №5 (май) | Ашальчи | Мир туй дорын | У большой дороги : Кывбур / Пер. с удм. Илля Вась (Лыткин В. И.) | 46 | |- |
| 1928 №5 (май) | Ярасов Б. | Веніс | Переубедил : Кывбур | 46 | |- |
| 1928 №5 (май) | Шомысова А. | Югыдлань | К свету : Висьт | 47-48 | |- |
| 1928 №5 (май) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Яков | Кывбур | 49 | |- |
| 1928 №5 (май) | Паш Коля (Максимов Н. П.) | Тар кыйӧм | Охота на тетерева : Висьт | 49-50 | |- |
| 1928 №5 (май) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Шева | Порча : Висьт | 50-51 | |- |
| 1928 №5 (май) | Иль Ӧль (Истомин А. И.) | Майбырӧй, гожӧмӧй | До чего же хорошее лето : Висьт | 52-53 | |- |
| 1928 №5 (май) | Родя Василь (Родев В.) | «Гажа тулыс бара локтӧ…» | «Снова наступает веселая весна...» : Кывбур | 53 | |- |
| 1928 №5 (май) | Кон Ӧль (Куликов А.) | Гажӧдчӧй | Веселитесь : Кывбур | 54 | |- |
| 1928 №5 (май) | Юсь (Лебедев М. Н.) | Кык торйӧдчӧм | Две разлуки : Кывбур | 54 | |- |
| 1928 №5 (май) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Ытва йылын | В половодье : Висьт | 55-58 | |- |
| 1928 №5 (май) | Некрасов Ф. | «Бурдӧдіс» | «Вылечила» : Висьт | 58-59 | |- |
| 1928 №5 (май) | Сюзь Мить (Конюхов Д. В.) | Ёна и шензисны | Были очень удивлены : Висьт | 60 | |- |
| 1928 №5 (май) | Жугыль (Попов Н. П.) | Коми гижысьяслӧн могъясыс котыртчӧм боксянь | Задача коми писателей в объединении | 61-63 | |- |
| 1928 №5 (май) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Шонаув | Под овином : Кывбур | 64 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Оботуров | Видзӧдлӧй гӧгӧрбок сӧвет удж вылад | Посмотрите со всех сторон на работу Совета | 1-4 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Щетинин | Видз-му вот 1928-29 во кежлӧ | Сельскохозяйственная подать на 1928-29 годы | 4-9 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Н. Уль (Улитин Н.) | Сотчӧмысь верман помӧдз гӧльмыны | Последствие пожара – бедность | 9-12 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Лучев (Титов И. П.) | Комсомоллӧн удж нывъяс пӧвстын | Работа комсомола среди девушек | 13-15 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Жакова (агроном) | Сю ӧзим сёйысь руд лельӧ йилысь | О серӧй гусенице – пожирательнице озимой пшеницы | 16-19 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Бутырев И. (агроном-кооператор) | Кутшӧма олысь шленъяс видз-му овмӧсбердса кооперативъясын | Какие члены входят в состав сельскохозяйственных кооперативов | 20-22 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Некрасов (врач) | Колӧ унджык яслияс восьтавны | Необходимо открывать побольше ясель | 23-24 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Щ. | Кыдзи муніс 1927-23 воын ас костса вот миян областьын | Как проходил сбор податей на местах в нашей области в 1927-28 годы | 25-20 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Н. Одинцов | Физкультура удж сиктъясын | Работа по физическӧй культуре в сёлах | 27-32 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Е. | Быд сиктӧ лӧсьӧдӧй радио | Радио должно быть в каждом селе | 32-34 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Биа Ӧгыр (Чупров Я. И.) | Сальӧ Микулай : Яранъяслӧн мойд | Сальо Николай : Ненец. сказка | 35-41 | |- |
| 1928 №6 (юнь) |  | Сигудӧк | Сигудэк : Кывбур | 41 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Сизь Паш (Шеболкин П. А.) | Тулысын | Весной : Висьт | 42 40 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | П. Кодзув (Козлов З. А.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 40 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 47 | |- |
| 1928 №6 (юнь) | Редакция | Веськӧдлӧм | Поправка | 40 | |- |
| 1928 №7 (юль) |  | ВКП(б) Коми областювса комитетлӧн коймӧд пленум. Областювса Комитет бюролӧн отчет | Третий пленум Коми областного комитета ВКІІ(б). Отчет бюро обл. комитета | 1-19 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Коканин И. С. (врач) | Видзӧй челядьӧс мыт висьӧмысь | Оберегайте детей от кишечных заболеваний | 20-27 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Латкин А. | Кымын переменаӧн муяс уджавны бурджык | Сколько севооборотов нужно сделать для полей | 28-30 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Лева Ӧльӧкпи | «Выльмоз» коммуналы 10 во | Коммуне «По-новому»- 10 лет | 30-33 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Шыладорса Миш (Доронин М. П.) | Оласног | Образ жизни | 33-39 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | «Тӧдысь» | Знахарь : Висьт | 34-40 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Кӧнӧсь нӧ ті?.. | Где же вы?... Кывбур | 41 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Гожся вой | Летняя ночь : Кывбур | 41 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Лева Ӧльӧкпи | Гӧрд петук | Красный петух : Висьт | 42-46 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Тит Паш Вань (Титов И. П.) | Страдуйтігӧн | Во время страды : Висьт | 46-48 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Видз вылын | На лугах : Кывбур | 48-49 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Юсь (Лебедев М. Н.) | Эжва йылысь кыбертъяс | Скороговорки о Вычегде | 49 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Мырсьысь войтыр, ӧтувтчӧй | Трудящиеся, объединяйтесь : Кывбур | 50 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Ӧньчу Вась | Оз тай мудзны | Не устанут ведь : Кывбур | 50 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Доронин П. | Кӧр : Мойд | Олень : Сказка | 51-52 | |- |
| 1928 №7 (юль) | С. А. С. | Наталь | Наталья : Висьт | 52-56 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Шаков (Шахов) | Сигудӧк | Сигудӧк : Кывбур | 56 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Шаков Ӧ. Е. (Шахов Е. А.) | Вотчысьяс | Грибники : Кывбур | 57 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Кык туй | Две дороги : Висьт | 53 60 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Зэв ыджыд керка ми.. | Мы построим дом большой : Кывбур | 60 | |- |
| 1928 №7 (юль) | Шаков Е. (Шахов Е.) | Кыдзи бурмӧдны коми гижӧд да гижан сям | Каким образом улучшить коми произведения и технику написания : Крит. очерк | 61-64 | |- |
| 1928 №8 (август) |  | Юриндалысь | Содержание |  | |- |
| 1928 №8 (август) | Минин | Миян сиктъясын водзӧ туйыс | Дальнейший путь в наших селах : Постановления на III пленуме обкома | 1-11 | |- |
| 1928 №8 (август) | Леканов И. | Партийнӧй ячейкаяс бюрояссӧ бӧрйигкежлӧ могъяс | Задачи к перевыборам бюро партийных ячеек | 11-14 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ж-в | Йӧзӧс велӧдӧм локтан воӧ | Учеба народа в будущем году | 15-20 | |- |
| 1928 №8 (август) | Парма | Пуктӧй пайнытӧ кооперативӧ | Вкладывайте свою долю в кооперативы | 21-25 | |- |
| 1928 №8 (август) | Жакова (агроном) | Кыдзи позьӧ турунысь да быдтас коръясысь косьтытӧг бур сёян скӧтлы вӧчны | О возможности сделать хороший корм для скота из травы и листьев ботвы без засушки | 25-29 | |- |
| 1928 №8 (август) | Е. | Мӧсъясӧс тырсьӧдӧм йылысь | О случке коров | 29-30 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Ӧльӧкан | Александр : Висьт | 31-38 | |- |
| 1928 №8 (август) | Старцов Г. А. | Кызь вит шайт | Двадцать пять рублей : Висьт | 39-40 | |- |
| 1928 №8 (август) | Н. | Колис шудтӧм олӧмыс | Прошло несчастливое время : Висьт | 41-44 | |- |
| 1928 №8 (август) | Некрасов Ф. | Ылӧдіс морттӧ | Обманул человека : Висьт | 45 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ертӧмса Паш Коля (Максимов Н. П.) | Пӧръяліс | Обманул : Висьт | 46-47 | |- |
| 1928 №8 (август) | Шим (Шестаков М. И.) | Вӧр керкаын | В лесной избушке : Висьт охотника | 47-48 | |- |
| 1928 №8 (август) | А. Т. | Сьӧд вӧрын | В глухом лесу : Висьт | 48-50 | |- |
| 1928 №8 (август) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Кар вылі пуксис сьӧд вой | В городе настала ночь : Кывбур | 51 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ашальчи | Шонді кодь жӧ... ; Льӧм пу дзоридзалӧ... | Как солнце... ; Цветет черемуха : Кывбур / Пер. с удм. Илля Вась (Лыткин В. И.) | 51-52 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ечкко | Ӧні да мӧдысь | В настоящем и будушом : Кывбур / Пер. с фин. Илля Вась (Лыткин В. И.) | 52 | |- |
| 1928 №8 (август) | Разманов И. | Изьваын | В Ижме : О преподавании коми языка в ижем. школах | 52-55 | |- |
| 1928 №8 (август) | Лебедев М. Н. | Мем ӧти арся рытӧ.. | В один из зимних вечеров мне... : Песня (на мотив «По муромской дороге») | 55-50 | |- |
| 1928 №8 (август) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Ӧтик... ; Туйын; Рӧмдігӧн рытын.. | Один; В дороге; Вечером в сумерках... : Кывбур | 56-57 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ягзон (Игнатов II. В.) | Медым ёртыд вӧлі бур | Чтобы товарищ был хороший : Кывбур | 57-58 | |- |
| 1928 №8 (август) | Жугыль (Попов Н. П.) | Коми гижысьяслӧн уджыс | Работа коми писателей | 59-61 | |- |
| 1928 №8 (август) | Ярасов В. | Колӧ кони бурмӧдны | Необходимо улучшить качество произведения коми литературы : Крит. очерк | 61-64 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) |  | Юриндалысь | Содержание |  | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Лузин В. | Сӧветъясӧ бӧрйысьӧм | Выборы в Советы | 1-5 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | М. Й. | Дыр кежлӧ – збыльысь | На долго – по-честному | 6-7 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Фролов В. | Местнӧй бюджет 1928-29 во вылӧ | Местный бюджет на 1928-29 годы : Контрольные показатели | 8-14 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Оботуров И. | Лев Николаевич Толстой | Биогр. очерк к100-летию писателя | 15-19 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Кельыд Кӧрт (Старцев С. А.) | Арын | Осенью : Висьт | 20-23 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Ашальчи | Вӧръясті ветлігӧн.. | Бродя по лесу... : Кывбур / Пер. с удм. Илля Вась (Лыткин В. И.) | 24 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Шомысова А. | Кӧк | Кукушка : Кывбур | 24 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Илля Ӧльӧксан (Истомин А. И.) | Пармаын миян шогным и гажным | Лес – это наша радость и печаль : Висьт | 25-28 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Ликачов М. (Лихачев М.) | Асыв деревняын | Утро в деревне : Кывбур | 28 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Тикӧн Подоров | «Васа» | «Водянӧй» : Висьт | 29-30 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Жан (Жангуров И. М.) | Кыбигӧн | Во время лучения рыбы : Кывбур | 30 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Изъюр Иван (Изъюров И. В.) | Пӧрысь мамлӧн сьылӧм | Пение бабушки : Колыбельная | 31 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Черӧн йӧра вылӧ | Топором на оленя : Висьт | 32-34 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Кольцов А. | Нянь артмғм | Урожай : Кывбур / Пер. с рус. А. Микеев | 34 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Вась Ӧль (Попов А. В.) | Сьӧд руч | Черная лиса : Висьт | 35-36 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Илля Вась (Лыткин И. В.) | Вой | Ночь : Кывбур | 36 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Паш Коля (Максимов Н. П.) | Ӧш | Бык : Висьт | 37-38 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Кырнышъяс гыж улын | Под когтями воронов : Висьт | 39-42 | |- |
| 1928 №9 (сентябр) |  | КАПП мӧд конференциялӧн резолюцияяс | Резолюции второй конференции КАПП | 43-46 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Попов Н. (Жугыль) | Коми литературалӧн могъяс | Задачи коми литературы | 1-5 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Сталин И. | Скворцов Степанӧс казьтыштӧм кузя | Вспомним Степана Скворцова : Некролог | 6 | |- |
| 1928 №10 (октябр) |  | Скворцов Степанлӧн олӧмыс, уджыс | Жизнь и работа Скворцова Степана : Биогр. очерк | 6-7 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Оботуров И. | Н. Г. Чернышевский | Биогр. очерк | 8-13 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Жугыль (Попов Н. П.) | Коми литературалӧн сӧвман туйяс | Пути развития коми литературы : Указы ІІ-й конф. КАПП | 14-17 | |- |
| 1928 №10 (октябр) |  | КАПП конференциялӧн резолюцияяс. КАПП правление удж йылысь | Резолюции конференции КАПП. О работе правления КАПП | 18-21 | |- |
| 1928 №10 (октябр) |  | Коми литературалы водзӧ вылӧ паськалан туй | Дальнейшие пути развития коми литературы : Резолюции по докл. Шахова | 22-25 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Квайтӧд юкӧнын.. | В шестой части : Кывбур | 26 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Неверов А. | Сійӧ лун-войӧ : (Кыдзи гымыштіс сиктъясын Октябр) | В эти дни и ночи : (Когда прогремел в селах Октябрь) : Висьт / в обраб. Спира Прокӧ (Попов П. С.) | 27-31 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Мездлунлы | Свободе : Кывбур | 32 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Ӧтувйӧн; Частушкаяс | Вместе : Поэма; Частушки | 33-35 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Лихачев М. | Керкуын; Ар | В доме; Осень : Кывбур | 30-37 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Зыбач | Трясина : Висьт | 38-42 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Кирик Мить (Шарапов Д. К.) | Ар | Осень : Кывбур | 43 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Чиччи гӧра | Высокая гора : Кывбур | 43-44 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Савин В. | Гижӧд сям Ичӧт Иванлӧн | Творческие способности Сажина И. И. : Крит. очерк | 45-55 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | П. П-в | Велӧдчысь; Ар | Ученик; Осень : Кывбур | 56-57 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Ӧньӧ Степ (Безносиков С. А.) | Кино | Висьт | 58 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Мишӧ | Миша : Висьт | 59-61 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Кустъяс дорас кӧ ветла | Схожу-ка я к кусточкам : Кывбур | 62 | |- |
| 1928 №10 (октябр) |  | Скворцов Степанлӧн книгаяс | Книги Степана Скворцова : Библиография | 63 | |- |
| 1928 №10 (октябр) | Н. Г. | Чернышевский книгаяс. Н. Г. Чернышевский йылысь книгаяс | Книги И. Г. Чернышевского. Литература о нем : Библиография | 63 | |- |
| 1928 №10 (октябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 64 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Воча кыв | Ответное слово : Кывбур | 5 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Оботуров И. И. | Нёбдінса Витторлы юбилей да коми культуралӧн могъяс | Юбилей В. А. Савина и задачи коми литературы | 6-14 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Нелямын во | Сорок лет : Ав-тобиогр. Висьт | 15-26 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Коми гижӧд кыв йылысь | О правописании в коми : Докл. на 2-й конф. КАПП | 27-32 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Гӧрда-еджыда дырйи | Во время красных и белых : Висьт | 33-41 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Вын | Сила : Висьт | 42-45 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Гавриил Иван (Подоров И. Г.) | Моллясьӧм да кер кылӧдӧм | Сплавка леса молем : Очерк | 46-55 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Коми сьыланкыв | Коми песня : Кывбур | 56 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Лихачев М. | Делегатка | Висьт. -коми-перм. яз. | 57-63 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Юсь (Лебедев М. Н.) | Маяковскӧй моз.. | Как Маяковский : Кывбур | 64 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Лебедев М. Н. | Пӧрысь Тун | Старый знахарь : Сказка | 65-83 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Шим (Шестаков М. И.) | Иванлӧн Марьякӧд овлӧм | Жизнь Ивана с Марьей : Висьт | 84-87 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Пӧжар | Пожар : Висьт | 88-91 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | Бурсьылӧм | Хорошее пение : Висьт | 92-90 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | «Му вежӧм» | Светопреставление : Поэма | 99-101 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Микол Иван (Габов) | Пӧдан чери кыйӧм | Ловля рыбы, подвергающейся мору : Висьт | 102-103 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | «Би рӧмӧн дзирдалӧ.. | «Переливается огнем...» : Кывбур | 104 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Ичӧт Иван (Сажин И. И.) | «Югъяв, пӧртмась, вылын енэж...» | «Блести, переливайся, высокое небо...» : Кывбур | 105 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Минин | Чисталёв Тима Веньлӧн гижӧдъяс | Произведения Чисталёва Вениамина Тимофеевича : Очерк о жизни и творчестве | 100-112 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Сандрик Егор (Шахов Е. А.) | Кывбур гижан ногъяс тӧдмӧдан туйӧд | Знакомство с техникой написания стихов | 113-118 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Олӧм торпыригъяс | Моменты жизни : Воспоминания детства | 119-121 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Мамӧлы | Матери : Кывбур | 122 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Домна Иван Вась (Елькин В. И.) | «Пештак» | «Спектакль» : Висьт | 123-124 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) | Тарабукин В. | Нопъя сир | Щука с «котомкой» : Висьт | 125-126 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) |  | Гижысьяскӧд гижасьӧм | Переписка с писателями | 127 | |- |
| 1928 №№11-12 (ноябр-декабр) |  | Юриндалысь | Содержание | 128 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Ӧтувйӧн вождьнымӧс вежам | Вместе заменим вождя : Кывбур к 5-летию со дня рождения В. И. Ленина | 5 | |- |
| 1929 №1 (январ) |  | Ас выланым видзӧдлам | Посмотрим на себя : Крит. очерк | 6-9 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Демьян Беднӧй | Демьян Бедный : Очерк о жизни и творчестве | 10-13 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Коми гижысьяслӧн медводдза ӧтувтчылӧмыс | О первом объединении коми писателей : К 10-летию : Докл. среди моск. студентов | 14-24 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Игнатов К. | Кодзувъяс содӧны | Рождаются звезды : Кывбур | 25 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Лебедев М. Н. | Бур ань | Хорошая женщина : Игра с песней из жизни предков | 26-41 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Пеша дорын пукала | Сижу у светца : Кывбур | 42 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | «Лӧз югыд. Асыввыв ломзьӧ...» | «Предрассветная дымка. Загорается восток...» : Кывбур | 43 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Тима Вень (Чисталёв В. Т.) | Сандрик Микол | Шахов Н. А. : Друж. шарж в стих. форме | 44 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Сан Антус (Забоев А. С.) | М. Н. Лебедев : Блокнотысь | М. И. Лебедев : Из блокнота : Очерк о творчестве | 45-54 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Жугыль (Попов Н. П.) | Отсалам том гижысьяслы | Поможем молодым писателям | 55-57 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Выль Паш (Шеболкин Л. А.) | Содтам коми ворсанторъяс | Обогатм репертуар коми драматургии : О драмкружках и спектаклях | 58-59 | |- |
| 1929 №1 (январ) |  | Бур коми пьесаяс вылӧ нуӧдам конкурс | Объявляем конкурс на лучшие коми пьесы : Условия конкурса | 60 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Войт (Попона Ю. А.) | Рытын | Вечером : Кывбур | 61 | |- |
| 1929 №1 (январ) | Домна Иван Вась (Елькин В. И.) | Кыр йылын | На горе : Кывбур | 62 | |- |
| 1929 №1 (январ) |  | Миян гижасьӧм | Наша переписка | 63 | |- |
| 1929 №1 (январ) |  | Юриндалысь | Содержание | 64 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Дед пилӧн пияныс ??? | Внукам : С хоровыми пожеланиями Красной Армии : Поэма | 3-15 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Лихачев М. | Менам томся кад | Моя молодая пора : Кывбур | 16 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Питю Ӧньӧ | Оськолӧн одзӧ | Вперед шаг за шагом : Кывбур на коми перм. яз. | 17 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | КВЗ, кывзы!... ; Коми уджалысь йӧзлы | Слушай, Кружок военных знаний!.. ; Коми трудящимся : Кывбур | 18 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Лебедев М. Н. | Мича ныв. (Сьылӧмӧн ворсӧм) | Красавица : Игра с песней | 19-28 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Лихачев М. | Сьыв нӧ, зонӧй! | Пой же, парень! : Кывбур | 29 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | Гортладоръясӧд | По дорогам Коми : Висьт | 30-32 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Войт (Попова Ю. А.) | Тӧвся войын | В зимнюю ночь : Кывбур | 33 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | И. З. | Гӧгӧр гажа, голькйӧ гудӧк.. | «Кругом весело, играет гармонь...» : Кывбур | 33 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Эн лэччысь, вокӧй | Не унывай, брат : Кывбур | 34 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Кодзув (Козлов З. А.) | Войтӧв | Северный ветер : Кывбур | 34 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Ёсь бӧжа | С острым хвостом : Висьт | 35-37 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | «Тувсов войын мойдӧм козлысь...» | «Сказка ели в весеннюю ночь...» : Кывбур | 30 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Лихачев М. | Деревня садьмис | Деревня проснулась : Кывбур на коми-перм. яз. | 39 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Спира Прокӧ (Попов П. С.) | Ӧпрӧсь тьӧт | Тетка Ефросинья : Кывбур | 40 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Тикӧн Ӧльӧксан (Старцев А. Д.) | Вӧралысь кык вок | Два брата-охотника : Висьт | 41-45 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Д. Фурманов | Очерк о творчестве писателя | 46-49 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Попов | КАПП членъяслы, литература кружокъяслы гижны босьтчысьяслы | Членам КАПП, литературным кружкам, взявшимся писать : Обращение | 50 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Ягзон (Игнатов Н. В.) | Сьӧкыд оландыр | Тяжелое время : Кывбур | 51-52 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Лихачев М. | Письтиклӧ | Хвощ : Кывбур накоми-перм. яз. | 52-53 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Замойский | Ӧтвылысь сёйисны | Ели вместе : Висьт / Пер. с рус. П. Т. | 54- 55 | |- |
| 1929 №2 (февраль) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Рӧмпӧштан водзын | Перед зеркалом : Кывбур | 56 | |- |
| 1929 №2 (февраль) |  | Миян гижасьӧм | Паша переписка | 57-50 | |- |
| 1929 №2 (февраль) |  | Юриндалысь | Содержание | 59 | |- |
| 1929 №3 (март) |  | Туйным паськалӧ, воськовным содӧ, чорзьӧ | Дорога становится шире, прибавляется и твердеет шаг : К 3-летию КАПП | 3-7 | |- |
| 1929 №3 (март) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Гижысьяслы | Писателям : Кывбур | 8 | |- |
| 1929 №3 (март) | Жугыль (Попов Н. П.) | Ми мунам водзӧ | Мы идем вперед : Крит. очерк о творчестве Чисталёва В. Т., Попова П. С., Лыткина В. И., Шеболкина М. П., Куликова А., Симакова И. Н., Савина В. А., Чупрова Я. И. | 9-23, фото | |- |
| 1929 №3 (март) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Комилӧн уджыс | Работа коми : Доп. часть к поэме «Мунӧны «(Идут) | 22-26 | |- |
| 1929 №3 (март) | Ягзон (Игнатов И. В.) | Сьӧлӧм шогӧй | Горе сердца : Кывбур | 26 | |- |
| 1929 №3 (март) | Лихачев М. | Гӧрд дӧрапас | Красное полотно : Висьт | 27-35 | |- |
| 1929 №3 (март) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Да мен, мися, оз ков!.. | Да не надо, мне, говорю!... : Кывбур | 35 | |- |
| 1929 №3 (март) | Кон Ӧль (Куликов А. А.) | Ен вынйӧрӧн | С новыми силами : Кывбур | 36 | |- |
| 1929 №3 (март) | Тит Паш Вань. (Титов И. П.) | Кымӧр | Туча : Кывбур | 37 | |- |
| 1929 №3 (март) | Сук Парма (Фролов Н. А.) | «Грездын гажа. Гольгӧ гудӧк...»; «Лӧзов рӧмыд. Тӧлысь югӧр. Лӧнь.. | «В деревне весело. Играет гармонь. «Вечереет. Свет луны. Тихо... : Кывбур | 37, 39 | |- |
| 1929 №3 (март) | Сысоев В. | Ошкана удж | Похвальное дело : Висьт / Пер. с рус. Квайтапи (Малафеев П. С.) | 38-39 | |- |
| 1929 №3 (март) | Педь Гень (Федоров Г. А.) | Олӧм чегласьӧм | Перемены жизни : Повесть | 40-45 | |- |
| 1929 №3 (март) |  | Пролетариат нога коми гижысьяслӧн ассоциация | Ассоциация пролетарских коми писателей | 46 | |- |
| 1929 №3 (март) |  | Коми художествоа литературалӧн быдмӧм-содӧмыс | Развитие коми художественной литературы | 47 | |- |
| 1929 №3 (март) | Латкина И. | Мамӧлы | Матери : Кывбур | 49 | |- |
| 1929 №3 (март) | Биа Ӧгыр (Чупров Я.) | Тӧлӧй, тӧлӧй | Ветер, ветер : Поэма | 50-51 | |- |
| 1929 №3 (март) | Войт (Попова Ю. А.) | Челядьлы | Детям : Кывбур | 52 | |- |
| 1929 №3 (март) |  | Миян гижасьӧм | Наша переписка | 53-54 | |- |
| 1929 №3 (март) |  | Юриндалысь | Содержание | 55 | |- |
| 1929 №4 (апрель) |  | Селькоръяслӧн туӧмныс коми художествоа литература йылысь | Селькоры о художественной литературе : С III-го обл. совещания селькоров | 3-5 | |- |
| 1929 №4 (апрель) |  | Селькоръяс коми художествоа литература йылысь | Селькоры о художественной литературе : Резолюции с ІІІ-го обл. совещания селькоров | 6-7 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Ленин ним | Имя Ленина : Кывбур | 8-9 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Илля Вась (Лыткин В. И.) | Шойччӧ тувсов вой | Отдыхает весенняя ночь : Кывбур | 10 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Коллектив | Кывбур | 11-12 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Выль Паш (Шеболкин П. А.) | Важ тэчасвуж вылын – выль нога овмӧс | На старом фундаменте – хозяйство по-новому : Поэма | 13-14 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Узьны оз лэдзны | Не дают спать : Пьеса | 15-17 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Ӧтвылысь | Вместе : Песня на мотив «Эй, в Таганроге» | 18 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Пармазон (Тимушев А. П.) | Кӧдзысьяс | Сеяльщики : Кывбур | 19 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Гӧран-кӧдзан частушкаяс | Частушки во время сева | 21 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Иливапыс (Пыстин И. И.) | Калым | Висьт | 22-27 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Гавриил Иван. (Подоров И. Г.) | Вӧр бердын уджалӧм | Работа в лесу : Очерк | 28-31 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Шыладорса Миш. (Доронин М. П.) | Уджалысь йӧзлӧн ас муыс – мир! | Для трудящихся мир – своя земля) : Поэма | 32-33 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Гӧрд дзоридзок | Красный цветок : Песня / Пер. с рус. | 34 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Ичӧт Иван. (Сажин И. И.) | Масленича | Масленица : Повесть | 35-40 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Квайтапи. (Малафеев П. С.) | Ёна шензяс пӧрысь коз.. | Сильно удивится старая ель... : Кывбур | 40 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Питю Ӧньӧ. | Долыд кад | Веселов время : Поэма на коми-перм. яз. | 41-42 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Часса Паш. (Потолицын П.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 43 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Олӧм туйвеж | На распутье : Отр. из Висьта «Тӧв паныд» («Против ветра») | 44-59 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Пилӧн пи | Внук : Кывбур | 60 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Войт. (Попова Ю. А.) | Тувсов асывводз | Весеннее утро : Кывбур | 61 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Мельнича | Мельница : Висьт | 62- 6З | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Кон Ӧль (Куликӧв А. А.) | Гажӧдчӧй, донаяс | Веселитесь, дорогие : Кывбур | 64-65 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Тикӧн Коляй. (Старцев Н. А.) | Льӧм пу | Черемуха : Кывбур | 66 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Карӧ велӧдчыны | Учиться в город : Висьт | 36-67 | |- |
| 1929 №4 (апрель) | Тит Паш Вань. (Титов И. П.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 68 | |- |
| 1929 №5 (май) |  | Колӧ сетны пролетариат нога литература | Нужно писать пролетарскую литературу : Крит. очерк | 3-8 | |- |
| 1929 №5 (май) |  | ВКП(б) Обкомлӧн Агитпроп – «Ордым» йылысь | Агитпроп Обкома ВКГІ(6) – об «Ордыме» : Постановление по докладу | 8-9 | |- |
| 1929 №5 (май) | Нёбдінса Виттор (Савин В. А.) | Станция Сыктывкар | Кывбур | 10-11 | |- |
| 1929 №5 (май) | Пармазон (Тимушев А. П.) | «Ветлӧны кымӧръяс...»; Том йӧзлы; Гыалӧ саридз – берег нӧйтӧ; «Вуджӧр уси му вылӧ...» | «Ходят тучи...»; Молодежи; «Море волнуется – бьется о берег...» ; «Упала тень на землю...» : Кывбур | 11; 19; 23; З1 | |- |
| 1929 №5 (май) | Чисталёв В. Т. | Трипан Вась | Висьт | 12-17 | |- |
| 1929 №5 (май) | Кельыд Кӧрт. (Старцев С. А.) | Шуда лун | Счастливый день : Кывбур | 18-19 | |- |
| 1929 №5 (май) | Тикӧн Ӧлыӧксан. (Старцев А. Д.) | Мый нӧ тайӧ. . Коді тӧдас? : Вӧт | Что же это... Кто знает? : Сон | 20-21 | |- |
| 1929 №5 (май) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Ас мулы; Енмыд ловзьӧма | Родной земле; Бог ожил : Кывбур | 22-23; 34 | |- |
| 1929 №5 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Яралӧ шонді.. | Солнце слепит... : Кывбур | 24 | |- |
| 1929 №5 (май) | Юсь. (Лебедев М. Н.) | Кыдзи поп ворссис кык мӧс | Как поп проиграл двух коров : Сказка-быль | 25-31 | |- |
| 1929 №5 (май) | Квайтапи. (Малафеев П. С.) | Со, колокӧ и, уджав | Вот и работай : Висьт | 32-34 | |- |
| 1929 №5 (май) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Бӧръя бовгӧмъяс | Последний звон : Кывбур | 35 | |- |
| 1929 №5 (май) | Ӧльӧш Сим. (Попов С. А.) | Кызьӧд.. | Двадцатый... : Кывбур | 36 | |- |
| 1929 №5 (май) | Гӧрд шонді. (Максимов Н. П.) | Гусяліс, либӧ мый выйӧдз воштылӧ вина юӧмыд | Украл, или о том до чего приводит пьянка : Висьт | 37-39 | |- |
| 1929 №5 (май) | Квайтапи. (Малафеев П. С.) | «Зьвер»; Вомидза висьӧм | «Зверь»; Болезнь от сглааа : Кывбур | 40-42 | |- |
| 1929 №5 (май) | Сук Парма. (Фролов Н. А.) | «Шонді зарниӧн ывласӧ койӧ...» | «Солнце рассыпает золотом природу...» : Кывбур | 42 | |- |
| 1929 №5 (май) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Кыа кыптіс | Заря занялась : Кывбур | 43 | |- |
| 1929 №5 (май) | Ӧль Миш. (Мелешев М. А.) | Тувсов войӧ | В весеннюю ночь : Кывбур | 44 | |- |
| 1929 №5 (май) | Сандрик Егор. | «Ме сьывны босьта...» | «Я петь начну...» : Кывбур | 44 | |- |
| 1929 №5 (май) | Иванович. | «Кулӧмдінса бунт» | «Бунт в Усть-Куломе» : Крит. Очерк | 45-49 | |- |
| 1929 №5 (май) | Сан Антус. (Забоев А. С.) | Лыдди да мӧвпала.. | Прочел и размышляю : Крит. очерк о 4-м № журн. «Ордым» | 50-54 | |- |
| 1929 №5 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Содтам да велӧдам коми гижысьясӧс | Выучим коми писателей и пополним их ряды : Крит. -очерк | 55-58 | |- |
| 1929 №5 (май) |  | Пролетариат нога коми гижысьяс ассоциацияын | В ассоциации пролетарских коми писателей | 58 | |- |
| 1929 №5 (май) |  | Медбур коми пьесаяс вилӧ конкурс нуӧдан сроксӧ нюжӧдӧма | Продлен срок проведения конкурса на лучшую коми пьесу | 50 | |- |
| 1929 №5 (май) | Оботуров И. И. | Лыддьӧй художествоа литература | Читайте художественную литературу : Очерк | 59-61 | |- |
| 1929 №5 (май) |  | Премияяс медбур коми гижӧдъяс вылӧ | Премии на лучшие коми произведения | 64 | |- |
| 1929 №5 (май) |  | Цекпрос нуӧдӧ художествоа гижӧдъяс вылӧ конкурс | Цекпрос проводит конкурс на художественные произведения | 62 | |- |
| 1929 №5 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Миянӧс вежысьяс | Наша смена : Кывбур | 63 | |- |
| 1929 №5 (май) | Т. Ӧль. | Челядьлы | Детям : Кывбур | 64 | |- |
| 1929 №5 (май) | П. Кодзув (Козлов З. А.) | Тулысын | Весной : Кывбур | 64 | |- |
| 1929 №5 (май) | Войт (Попова Ю-А.) | Веськыд туй вылӧ; Челядьяслы | На верную дорогу; Детям : Кывбур | 65; 70 | |- |
| 1929 №5 (май) | Педь Митрук Як (Рочев Я. М.) | Ичӧтик Василей | Маленький Василий : Кывбур | 65 | |- |
| 1929 №5 (май) | Квайтапи (Малафеев П. С.) | Ытва дырйи | В половодье : Висьт | 56-69 | |- |
| 1929 №5 (май) | Тикӧн Коляй (Старцев Н. А.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 70 | |- |
| 1929 №5 (май) | Н. Ш. (Шахов И.) | Пурйӧн кывтӧм | Плыть на плоту : Висьт | 71 | |- |
| 1929 №5 (май) | Вася Мишӧ. | Пуръяс кывтӧны | Плоты плывут ; Кывбур | 72 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Выль шыяс | Новые звуки : Кывбур | 3-4 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Ендель Н. | Кокньыдик пуля | Легкая пуля : Висьт / Пер. с рус. Шеболкин П. А. | 5-12 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Кельыд Кӧрт. (Старцев С. А.) | Шуда парма | Счастливая парма : Кывбур | 12 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Дзоридз | Цветок : Кывбур, посвящ. Д. В., Е. М. | 13-14 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Ӧльӧк Ӧндрей. (Попов А. А.) | Сила | Висьт о купце поимени Сила | 15-19 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Дядя Фонь. | Дед ордымӧд | По тропе деда : Повесть | 20-33 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Ми тӧдам сійӧ лунсӧ | Мы помним этот день : Кывбур, посвящ. 15-летию империал. войны | 34-35 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Кельыд Кӧрт. (Старцев С. А.) | Водзӧ | Вперед : Кывбур | 36 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Зук Егор | Зук Егор : Висьт | 37-42 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Лева Ӧльӧкпи. | Видз вылын | На лугах : Висьт | 43-45 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Сук Парма. (Фролов Н. А.) | Ёртлы | Товарищу : Кывбур, посвящ. молодым коми писателям | 45 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Часса Паш. (Потолицын П.) | Тырмытӧм нянь | Голод : Кывбур | 46 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Дядя Понь. | Лежнӧг куст | Куст шиповника : Висьт | 47-49 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Кельыд Кӧрт. (Старцев С. А.) | Кывзы, бур вок! | Послушай, хороший брат! : Кывбур | 49 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Ярасов Б. | Розъялӧм | Цветение : Кывбур | 50-51 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Жданов. | Пыжын кывтігӧн | Плывя в лодке : Кывбур | 51 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Ичӧт Иван. (Сажин И. И.) | Четверть вина | Висьт | 52-55 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 55 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Малань | Меланья : Висьт | 56-60 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Сук Парма. (Фролов Н. А.) | «Кор му выв тӧвся кодь на чорыд...» | «Когда еще земля по-зимнему тверда...» : Кывбур | 60 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Коми комсомоллӧн военнӧй поход | Военный поход коми комсомола : Из истории военного дела в Коми | 61-66 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Сан Антус. (Забоев А. С.) | Коми история да коми литература | Коми история и коми литература : Крит. очерк | 67-72 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | «Трипан Вась» | Рецензия на Висьт Тима Веня (Чисталёва В. Т.) | 73-75 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | «Со, колӧкӧ, и уджав» нима Квайтапи висьт вылӧ | «Вот и работай,если хочется» : Рецензия на Висьт Малафеева П. С. | 75-76 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Н. А. П. (Попов Н. А.) | Мый йылысь да кыдзи коми гижысьяслы колӧ гижны | О чем и как необходимо писать коми писателям : Рекомендации | 77-78 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Став Россияса крестьяна гижысьяслы медводдза съезд | Первый всероссийский съеад крестьянских писателей | 79-82 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Максим Горькийӧс аддзылӧм | Видели и слушали М. Горького : Заметки с 1-го Всерос. Съезда крестьянских писателей | 83-84 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Коданев М. | Дзоля йӧз, ми том йӧз | Маленькие люди, мы молодые люди : Песня | 85 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Заболотский Н. | Резина юръяс | Резиновые головы : Висьт / Пер. с рус. Спира Прокӧ (Попов П. С.) | 86-91 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Тарабукин В. | Сизь поз | Дупло дятла : Сказка | 92-93 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Тит Паш Вань. (Титов И. П.) | Сад | Кывбур | 94 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) | Коданев М. | Молитва | Кывбур | 94 | |- |
| 1929 №6-7 (юнь-юль) |  | Юриндалысь | Содержание | 95 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) |  | ВКП(б) Обком бюро вылын коми художествоа литература йылысь доклад кузя резолюция | Резолюции по докладу о коми художественной литературе на бюро Обкома ВКП(б) | 3-4 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) |  | Пӧртамӧй олӧмӧ ВКП(б) Обкомлысь резолюциясӧ | Претворим в жизнь резолюции Обкома ВКП(б) | 5-7 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Коми гижысьяслы колӧ велӧдчыны | Коми писателям необходимо учиться : Воззвание | 8 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Оботуров И. | Коми гижысьяс, «Ордым» лыддьысьяс! | Коми писатели, читатели «Ордыма»! : Обращение | 8 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Разманов И. И. | Главнаукалӧн коми кыв культура кыпӧдан конференциялӧн шуӧмъяс | Постановления главнауки на конференции по повышению культуры коми языка | 9-16 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | В. Егор. (Колегов Е. В.) | Кӧрт туй | Железная дорога : Кывбур | 17 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Акакпиян. | Игнат | Висьт | 18-22 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Важ салдат | старый солдат : Кывбур/ пер. с рус. | 22 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Вермасьны!... Вермасьны!.. | Бороться!... Бороться!... : Кывбур | 23-24 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Туйӧ петігӧн | Собираясь в дорогу : Кывбур | 24 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Водзӧ | Вперед : Очерк | 25-32 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Питю Ӧньӧ. | Ме-я кытчӧдз томся том; Щӧгӧль Петра | Пока я молод-премолод : Кывбур; Петр-щеголь : Поэма | 32-36 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Хаяши Т. | Есида | Есида – япон. призывник : Висьт о призыве в армию в Японии / Пер. с рус. Выль Паш (Шеболкин П. А.) | 37-41 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Югӧр; Куим кыв; Водзӧ | Луч; Три слова; Вперед : Кывбур | 42, 45-47 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Тит Паш Вань. (Титов И. П.) | Зарниа бисер | Золотым бисером : Висьт | 43-45 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Питю Ӧньӧ. | Ёртӧй!.. | Товарищ!... : Кывбур | 48 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Новиков-Прибой А. | «Отрада» бухтаын | В бухте «Отрада» : Висьт / Пер. с рус. Выль Паш (Шеболкин П. А.) | 49-65 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Лихачев М. | Козинтӧг | Без подарка : Поэма | 66-78 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Часса Паш. (Потолицын П.) | Кер лэдзысь Петыр | Лесоруб Петр : Кывбур | 78 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Питю Ӧньӧ. | Кор ме томнам зонкаалі | Во время молодой холостой жизни : Кывбур | 79 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Ярасов Б. | Томмӧма кад; Ордйысьӧм сьылӧм | Помолодевшая пора; Песня соревнования : Кывбур | 80-81 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Вась Мить. (Конюхов Д. В.) | Ар | Осень : Кывбур | 81 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | П. Кодзув. (Козлов З. А.) | Выль олӧм дорйысьяс | Защитники новой жизни : Кывбур | 83 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) | Савельев Н. | Тундраын | В тундре : Висьт | 84-86 | |- |
| 1929 №8-9 (август-сентябр) |  | Юринадалысь | Содержание | 88 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Н. А. П. (Попов Н. А.) | Владимир Васильевич Фриче | Некролог | 1-2 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Конйыштісны | Дали подножку : Висьт | 3-9 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Коммуна дор | За Коммуну : Кывбур | 10 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Коммуын | Коммуын (в Коми-перм. окр.) : Записки | 11-24 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Удж да удждон корсьӧм | В поисках работы и зарплаты : Кывбур | 25-26 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Шуштӧм кад | Невеселое время : Висьт | 27-42 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Шемӧс олӧм | Удивительная жизнь : Поэма | 43-44 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Жугыль. (Попов Н.) | Сімсьӧд кымӧр моз | Как черная туча : Драма в 4-х частях с прологом и эпилогом | 45-52 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Оськин Д. | Еджыдъяс мышкын | За спиной белых : Повесть / пер. с рус. | 53-69 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Коми-пермяк литератураса выльторъяс | Новинки коми-пермяцкой литературы : Крит. очерк | 70-73 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Кон Ӧль. (Куликов А. А.) | Ичӧтик Ленин | Маленький Ленин : Висьт для детей | 74-76 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Войт. (Попона Ю-А.) | Ар | Осень : Кывбур | 70 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Вась Мить. (Конюхов Д. В.) | Арся вой | Осенняя ночь : Кывбур | 77 | |- |
| 1929 №10 (октябр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Кыв-мӧд коми грамматика йылысь | Несколько слов о коми грамматике | 78-79 | |- |
| 1929 №10 (октябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 80 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | «Сьӧлӧм кыпыд... чукъя вынӧн...» | «На сердце легко... переполнено силой...» : Кывбур | 1 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Октябрьлы | Октябрю : Кывбур | 2 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Василей Егор. (Колегов Е. В.) | Октябрьлы туй | Дорога Октября : Поэма | 3-5 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Мунам.. | Идем... : Поэма, посвящ. 12-й годовщине Октябр, революции | 6-8 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Мылдінса кулакъяслӧн восстанньӧ | Восстание кулаков в Троицко-Печорске : Рзсскзз | 9-11 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Бӧрыньтчигӧн | Во время отступления : Повесть | 12-20 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Чисталёв В. Т. | Лӧсас туйясӧд | По дорогам с зарубками : Наброски писателя для большого Висьта | 21-22 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Чисталёв В. Т. | «И-и-и... гго ггооо!...» | Прелюдия к трилогии «Кӧрт» («Железо») | 23 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Попов Педь. (Попов Ф. Ф.) | Ар пом | Конец осени : Кывбур | 24 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Лебедев М. Н. | Повтӧм зон | Смелый парень : Поэма | 25-33 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Печкысь | Пряха : Кывбур | 34 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Кельыд Кӧрт. (Старцев С. А.) | «Урожай да коллективизация» праздник лун Визинын | Праздник «Урожай и коллективизация» в Ви-зинге : Очерк | 35-44 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Гырысьджык темаясӧ кутчысьны | Браться за более значимые темы : Очерк | 45-46 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Сан Антус. (Забоев А. С.) | Пармазон «Трипан Васьӧс» пасьтӧдӧ.. | А. П. Тимушев одевает «Трипан Вася» : Крит. очерк коми лит. | 47-51 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Каманин Ф. | Воюйтысь Вань да сылӧн пон Партизан | Боец Иван и его собака-Партизан : Повесть / пер. с рус. Спира Прокӧ (Попов П. Ӧ.) | 52-62 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) | Пролӧ Вась. | Тӧлын | Зимой : Кывбур | 63 | |- |
| 1929 №11 (ноябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 64 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Кӧинъяс пурсьӧны | Волки дерутся : Висьт | 2-16 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Коммуна пас улын.. | Под знаком коммуны : Кывбур | 17 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Тикӧн Ӧльӧксан. (Старцев А. Д.) | Колхоз | Кывбур | 10 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Торлопов М. | Кынӧмпӧт корсьны | В поисках пропитания : Висьт (Продолж. см. 1930. №5. лб. 18-20) | 19-27  | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Гуляев М. Г. | Гӧрд му вылын | На Красной земле : Кывбур | 28 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Куслытӧм кодзувъяс | Немеркнущие звезды : Поэма | 29-35 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Лихачев М. | Пельӧс сайсянь | Из-за угла : Висьт | 36-41 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Вӧрлэдзан делянкаясын | На лесных делянках : Кывбур | 42 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Торлопов М. | Сан Антус синӧ народникъяслань | А. С. Забоев примыкает к народникам : Очерк | 43 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Нӧшта «Трипан Вась» йылысь | Еще раз о «Трипан Васе» В. Т. Чисталёва | 44-45 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Сан Антус. (Забоев А. С.) | «Мунӧны» | «Идут» : Рец. на поэму Илля Вася (Лыткина В. И.) | 46-52 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Редакция. | Коми гижысьяслы | Коми писателям : Обращение | 53 | |- |
| 1929 №12 (декабр) | Тима Вень. (Чисталёв В. Т.) | Коми поэзия формаяс йылысь | О формах в коми поэзии | 54-57 | |- |
| 1929 №12 (декабр) |  | Кутшӧм гижӧдъяс петалісны «Ордым» журналын 1927-ӧд воӧ | Произведения, опубликованные в журнале «Ордым» за 1927 год | 53-64 | |- |
| 1929 №12 (декабр) |  | Кутшӧм гижӧдъяс петалісны «Ордым» журналын 1928 воын | Произведения, опубликованные в журнале «Ордым» за 1928 год | 65-71 | |- |
| 1929 №12 (декабр) |  | 1929-ӧд воын. Критика да публицистика статьяяс | В 1929 году. Критические и публицистические статьи | 72-78 | |- |
| 1929 №12 (декабр) |  | Юриндалысь | Содержание | 79 | |- |
| 1930 №1 (январ) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Подвойский И. | Ленин военно-революционнӧй штабын | Ленин в военно-революционном штабе | 3-4 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Ордйысьӧм. Серпасаліс. Арн. Ген | Соревнование : Висьт / Рис. Арн. Гена | 5-16 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Рӧштво служба | Служба в Рождество : Поэма | 8-9 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Самкӧ Ӧль. (Канев А. С.) | Кор Митит балябӧжсӧ гыжйыштіс | Когда Никита почесал затылок : Висьт / Рис. Л. Попова | 17-25 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Ликачов М. (Лихачев М.) | Доброволеч Педӧр | Доброволец Федор : Кывбур | 25 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Коми кывбур формаяс йылысь | О формах коми стихов : Крит. очерк | 27-29 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Кутькина М. | Арын | Осенью : Кывбур | 30 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Игнатов К. | Морӧс шорын сьылӧм йӧктӧ | Сердце пляшет в груди : Кывбур | 30 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Ӧль Миш. (Мелешев М. А.) | Велӧдчӧм морт | Ученый человек : Кывбур | 31 | |- |
| 1930 №1 (январ) | Ӧндрейпи. | Машӧ | Маша : Кывбур | 32 | |- |
| 1930 №2 (январ) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Горький М. | Январь 9-ӧд лун | 9-е января : Отр. из произведения | 3-5 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Ӧтка пи | Единственный сын : Висьт | 6-12 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Ленин туйӧд | По ленинскому пути : Кывбур | 13 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Шыа вӧр вылын | В шумном лесу : Висьт | 14-17 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Дзӧля Демьян. (Лебедев М. Н.) | Кык бана шаньга | Двуличный человек : Басня | 18 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Кочанов Е. | Батрак Ваньӧ | Батрак Иван : Висьт | 19-22 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Ч. Т. В. (Чисталёв В. Т.) | Вӧр лэдзанінын | На лесной делянке : Висьт | 23-25 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Богословский. | Кыдзи лои Сыктывкар | Как образовался Сыктывкар : Очерк | 26-27 | |- |
| 1930 №2 (январ) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Сан Антус шӧр туйвизь корсьӧ | Забоев А. С. ищет золотую середину : Крит. очерк | 28-31 | |- |
| 1930 №2 (январ) | П. Кодзув. (Козлов З. А.) | Воис тӧв | Наступила зима : Кывбур | 39 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Доронин П. | Дезертиръяс пӧвсын. Серпасаліс В. Поляков | Среди дезертиров : Висьт / Рис. В. Полякова | 3-6 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Лебедев М. Н. | Кык кулак. Серпасаліс Арнольд Ген | Два кулака : Поэма / Рис. Арн. Гена | 6-10 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Громов А. | Ӧтувъя удж вӧсна. Серпасаліс Л. Попов | За совместную работу : Висьт / Рис. Л. Попова | 11-21 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Пушкин А. С. | Сюсь поп да йӧй Бӧб | Умный поп и работник Балда / Пер. с рус. Илля Вась (Лыткин В. И.) | 22-24 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Самкӧ Ӧль. (Канев А. С.) | Выль закон. Серпасаліс А. Ген | Новый закон : Висьт / Рис. А. Гена | 25-30 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Котов С. К. | Березина вылын | На Березине : Висьт / Пер. с рус. Илля Ӧльӧксан | 31-40 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Шыладорса Миш. (Доронин М. П.) | Ме – реализм дор | Я – за реализм : Крит. очерк | 41-43 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Юсь. (Лебедев М. Н.) | Воча кыв Тима Веньлы, либӧ – кыдзи оз ков критикуйтны | Ответное слово В. Т. Чисталёву, или о том, как не нужно критиковать | 43-45 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) |  | КАПП-лӧн удж да олӧм | Жизнь и работа КАПП-а : Отчёт | 43-44 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) | Вась Мить. (Конюхов Д. В.) | Эн вуграв | Не зевай : Кывбур | 47-48 | |- |
| 1930 №3-4 (февраль) |  | Худкоръяслӧн листбок | Страница худкоров : №2 : 6 илл.]. |  | |- |
| 1930 №5 (март) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №5 (март) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Вежсьӧ олӧм, вежсьӧ морт | Меняется жизнь, меняется человек : Висьт / Рис. Л. Попова | 3-15 | |- |
| 1930 №5 (март) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Тувсовъя | Весенний : Кывбур | 6-7 | |- |
| 1930 №5 (март) | Костромин Анпим да Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Вӧр кылӧдчысьяслӧн сьыланкыв | Песня сплавщиков леса (на мотив «Весной Волга разольется») | 12-13 | |- |
| 1930 №5 (март) | Торлопов М. | Кынӧмпӧт корсьны | В поисках пропитания : Висьт (Начало см. 1929. №12. лб. 19-27) | 18-20 | |- |
| 1930 №5 (март) | Кос Кабыр. (Худяев И. Е.) | Бабаяс | Женщины : Висьт | 21-22 | |- |
| 1930 №5 (март) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Зурган | Висьт о кулаке по кличке Зурган Мирон | 23-26 | |- |
| 1930 №5 (март) | Рочалла Г. | Гӧрд фронтовикъяслӧн ОДВА-ӧ волӧм | Приезд в Особую Дальне-Восточную Армию красных фронтовикӧв : Висьт / Пер. с рус. Выль Паш | 27-29 | |- |
| 1930 №5 (март) | Явич А. | Канаса баржа | Канская баржа : Висьт | 30-32 | |- |
| 1930 №6 (март) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №6 (март) |  | Нуӧдам чорыд тыш националшовинизмкӧд | Ведем жестокую борьбу с национал-шовинизмом : Постановление объединенного пленума ВКП(б) 0К и ОКК | 3-5 | |- |
| 1930 №6 (март) | Бабич Т. | Крестьяналӧн шуд | Счастье крестьян : Повесть / Рис. В. Полякова (Продолжение см. 1930. №7/8. лб. 3-11) | 6-15 | |- |
| 1930 №6 (март) | Лихачев М. | Ловзисӧ ыббез; Тракторнӧй зык | Ожили поля; Шум трактора : Кывбур (Коми-перм. яз.) | 12-13; 16-17  | |- |
| 1930 №6 (март) | Полярный С. (Старцев С. А.) | Гриша доброволеч | Гриша-доброволец : Висьт | 18-28 | |- |
| 1930 №6 (март) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Юяслӧн визулыс корӧ | Манит течение рек : Кывбур | 20-21 | |- |
| 1930 №6 (март) | Резапкин. | Кырныш Васькалӧн гӧтрасьӧм | Женитьба Кырныш Вася : Висьт | 30-31 | |- |
| 1930 №6 (март) |  | Худкорьяслӧн листбок | Страница худкоров | 32 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Бабич Т. | Крестьяналӧн шуд | Счастье крестьян : Повесть (Начало см. 1930. №6. лб. 6-15) | 3-11 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Лучев И. (Титов И. П.) | Колхозникъяслӧн сьыланкыв | Песня колхозников | 12 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Велӧдчыны мунігӧн | Уходя учиться : Кывбур | 12 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Выль олӧм | Новая жизнь : Кывбур | 13 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | «Тшӧтшкӧс юра гулыд яг...» | «Редкий, ровный сосновый бор...» : Кывбур | 13 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | В. П. | Лӧсьӧдчы кӧдзны; Мун колхозӧ | Готовься сеять; Иди в колхоз : Пьесы / Пер. с рус. | 14-19 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Филиппов Н. | 21 миллион | Очерк | 20-22 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Зумыда тувтчалӧм кылӧ | Слышна уверенная поступь : Поэма | 23-24 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Кыр йылын | На горе : Кывбур | 24 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Бедный Д. | Вӧлі нӧйтны, нӧйтны кӧсйӧм! | Было желание бить, бить! : Песня | 25 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Безыменский А. | Боевӧй чуксасьӧм | Боевой призыв : Песня | 25 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Жаров А. | Блюхер армиялӧн сьыланкыв | Песня арним Блюхера / Пер. с рус. Выль Паш | 26 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Нерп | Нефть : Очерк | 27-29 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Сиктса серпасъяс | Картины села : Очерк | 30-31 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Португалов Д. | Кык мученик | Два мученика : Висьт / Пер. с рус. В. П. | 32-33 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Ли. | Кыдзи Ли Ши-и лои партизанӧн | Как Ли Ши-и стал партизаном : Очерк | 34-36 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Изъюр Иван. (Изъюров И.) | Кыдзи артмӧ «Ордым» | Как получается «Ордым» : Очерк | 37-40 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Оботуров И. | Коми художествоа литература пыр тышкасьны национал-шовинизмкӧд | Коми художественная литература в борьбе с национал-шовинизмом | 41-44 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) |  | Юмор листбок | Юмористическая страница | 45 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Трактор вӧрын | Трактор в лесу Кывбур | 46 | |- |
| 1930 №7-8 (апрель) | Василь Егор. (Колегов Е. В.) | Вӧрын | В лесу : Висьт | 47-48 | |- |
| 1930 №9 (май) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №9 (май) | Попов Н. А. | В. В. Маяковский | О жизненном и творческом пути поэта | 3-5 | |- |
| 1930 №9 (май) | Торн А. | Сьӧд нимпас | Черний знак имени : Висьт / Пер. с рус. В. П. | 6-8 | |- |
| 1930 №9 (май) | Попов Педь. (Попов Ф. Ф.) | Социализмлань! : Ӧкмыс во Коми автономиялы тырӧм кузя | К социализму : К 9-летию Коми автономии : Поэма | 9 | |- |
| 1930 №9 (май) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Выль рыт | Новый вечер : Кывбур | 9 | |- |
| 1930 №9 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Миллион бӧрся миллион | За миллионом миллион : Кывбур : Ко Дню печати | 10 | |- |
| 1930 №9 (май) | В. Егор. (Колегов Е. В.) | Печать | Кывбур | 10 | |- |
| 1930 №9 (май) | Юсь. (Лебедев М. Н.) | Пӧчлӧн олём | Жизнь бабушки (в царские времена) : Поэма | 11-12 | |- |
| 1930 №9 (май) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Кӧза да петасъяс | Коза и растение : Висьт | 13-14 | |- |
| 1930 №9 (май) | Попов Педь. (Попов Ф. Ф.) | Выль сикт | Новое село : Кывбур | 15 | |- |
| 1930 №9 (май) | Полярный С. (Старцев С. А.) | Тулыс | Весна : Кывбур | 15-16 | |- |
| 1930 №9 (май) | Ӧль Миш. | Небыд кывъя Тима Вась | Тима Вась с ласковой речью : Кывбур о кулаке | 16 | |- |
| 1930 №9 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Гӧрд армеечлӧн висьт; Уджтӧм морт | Висьт красноармейца : Поэма / По И. Доронину; Безработный : Кывбур/ Пер. с рус. | 17-13 | |- |
| 1930 №9 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Сыктывкар май 1-ӧд лунӧ | Сыктывкар в день 1-го мая : Очерк | 19-21 | |- |
| 1930 №9 (май) | Оботуров. | Кыскам коми художествоа литератураӧс национал-шовинизма нюрысь | Вытащим коми художественную литературу из болота национал-шовинизма | 22-24 | |- |
| 1930 №9 (май) | Оботуров И. | Нёбдінса Витторлӧн пьеса «Рытья» – веськыдвыв кежысьяслӧн пьеса | Пьеса В. А. Савина «Вечерняя» – пьеса правых : Крит. очерк | 25-27 | |- |
| 1930 №9 (май) | Изъюр Иван. (Изъюров И.) | «Рытъя» идеология боксянь абу шогмана | «Вечерняя» со стороны идеологии не получилась : Крит. очерк на пьесу В. А. Савина | 28-29 | |- |
| 1930 №9 (май) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | «Омра» абу пролетариат нога гижысь, а контреволюционер | «Омра» (Фролов В. Н.) не пролетарский писатель, а контреволюционер | 29-30 | |- |
| 1930 №10 (май) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №10 (май) | Липецкий А. | Кос ки | Сухая рука : Висьт / Рис. Л. Попова – (Продолжение см. 1930. №11/12. лб. 3-14). | 3-12 | |- |
| 1930 №10 (май) | Шыладорса Миш. (Доронин М. П.) | Ва катчӧс міӧдӧдчис йӧр.. | Против течения поплыла жизнь : Кывбур | 11 | |- |
| 1930 №10 (май) | Юсь. (Лебедев. М. И.) | Римскӧй папа шуис тшапа.. | Римский папа сказал высокомерно... : Кывбур | 13 | |- |
| 1930 №10 (май) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Пур вылын | На плоту : Кывбур | 13-14 | |- |
| 1930 №10 (май) | Василей Егор. (Колегов Е. В.) | Миян литература | Наша литература : Кывбур | 14 | |- |
| 1930 №10 (май) | Полярный Ст. (Старцев С. А.) | Тувсов асыв | Весеннее утро : Кывбур | 14 | |- |
| 1930 №10 (май) | Василь Егор. (Колегов Е. В.) | Коммуна «Видз-му уджалысь» | Коммуна «Рабочий сельского хозяйства» : Висьт | 15-17 | |- |
| 1930 №10 (май) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Чашйыны боръяс | Ликвидации межей : Очерк | 19-22 | |- |
| 1930 №10 (май) | Трошев М. | 160 километр молльӧн | 160 километров сплавом : Из дневника сплавщика | 23-28 | |- |
| 1930 №10 (май) | Латкина А. | Коді унджык?; Медбӧръя гӧр | Кто больше?; Последний плуг : Висьтъяс | 29-30 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Липецкий А. | Кос ки | Сухая рука : Висьт / Рис. Л. Попова (Начало см. 1930. №10. лб. 3-12) | 3-14 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Ликачов М. (Лихачев М.) | Гуна вылын | На гумне : Кывбур | 6-7 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Гудӧк | Гармонь : Поэма | 15-20 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Латкин В. | Колхозниклы | Колхознику : Кывбур | 20 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Заморский П. | Коді кӧзяиныс? | Кто хозяин? : Висьт | 21-25 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Велӧдчысь Гриша | Ученик Гриша : Висьт | 26 29 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Сим Вань. (Симакин И. И.) | Петыр дядь малыштіс тӧшсӧ.. | Дядя Федор погладил бороду... : Фельетон | 30 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Петухов Педя. (Конюхов Д. В.) | Кыдзи Парпонь «Стрӧитӧ социализм | Как Парфен «строит» социализм : Юмореска | 31-32 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | КАПП чистка нуӧдӧмлӧн могъяс; Том гижысьясӧс котыртӧм | Задачи КАПП в проведении чистки; Об объединении молодых писателей | 33-35 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Игнатов. | Нӧшта «Омра» йылысь | Еще раз об «Омре» (Фролове В. Н.) | 34-35 | |- |
| 1930 №11-12 (юнь) | Свердлов А. | «Геносен» | Висьт / Пер. с рус. Гриш Саш (Габов А. Г.) | 36-40 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) |  | Юринадалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Кольцов М. | Вын | Сила : Очерк | 3-6 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) |  | Безыменский ёртлӧн партияса ХVІ-ӧд съезд вылын сёрни | Доклад товарища Безыменского на ХVІ съезде партии | 7-11 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Илля Вась. (Лыткин В. А.) | Бор кузя.. | По бору : Поэма | 12-16 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Титов И. | Выль шыяс; Тэнад ӧшинь дорсянь; Пур вылын кывтігӧн ми... ; Чужим ми | Новые звуки; От твоего окна; Когда мы плыли на плоту... ; Родились мы : Кывбур | 17-19 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Тит Паш Вань да Сук Парма. (Титов И. П., Фролов Н. А.) | Колхоз му дорын | У колхозной земли : Кывбур | 19 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Сук Парма. (Фролов Н. А.) | Трактор | Кывбур | 19-20 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Лихачев М. | Ӧшын кӧрт туйлань | Окно на железную дорогу : Кывбур (Коми-перм. яз.) | 20 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Тикӧн Коляй. (Старцев Н. А.) | Коді вермас? | Кто победит? : Кывбур | 20-21 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Тувсалысь.. | Сплавщик : Кывбур | 21 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Шыладорса Миш. (Доронин М. П.) | Ыркӧдчыны абу кад | Нет времени прохлаждаться : Кывбур | 217 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Шудтӧм. | Кымӧръяс | Тучи : Кывбур | 22 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) |  | Коми художествоа литература йылысь резолюция | Резолюция о коми художественной литературе | 23-24 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Титов И. | Петкӧдны литератураӧс уджалысь йӧз пӧвсӧ | Вывести литературу в трудящуюся среду : Очерк | 25-26 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Лучев И. (Титов И. П.) | Мый колӧ тӧдны кывбур тэчигӧн | Что необходимо знать, складывая Кывбур | 27-32 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Савельев Л. | Пӧсь ва | Горячая вода : Висьт | 33-38 | |- |
| 1930 №13-14 (юль) | Костромин А. | Лёк зэв мойдны | Плохо сказку Висьтъясвать : Пьеса | 39-40 | |- |
| 1930 №15-16 (август) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | С. К. | Урожай | Очерк | 3-6 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Поэтлы | Поэту : Кывбур | 7 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Вась Мить. (Конюхов Д. В.) | Олӧмыс ордйӧма.. | Жизнь опередила : Кывбур, посвящ. пролетар. писателям | 8 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Боргенс В. | Дезертир | Висьт | 9-23 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Катаев В. | Порогъяс | Пороги : Очерк | 24-29 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Тикӧн Колян. (Старцев Н. А.) | Бӧрдзис звер | Зверь заплакал : Кывбур | 29 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Попов Педь. (Попов Ф. Ф.) | Выль нога удж | Работа по-новому : Кывбур | 30 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Лихачев М. | Эжва кузя; Ытшкысян кад | По Вычегде; Время покоса : Кывбур | 30-32 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Вой му; Выль воськов; Ме сьыла; Лэбач | Северная земля; Новый шаг; Птица : Кывбур | 31-34 | |- |
| 1930 №15-16 (август) |  | Бергӧдчам социализм тэчӧмлань | Навстречу социализму : К 3-й конф. КАПП | 35-36 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Коми художествоа литератураӧс социализм тэчан фронт вылӧ | Коми художественную литературу на фронт социализма : Речь для докл. | 36-39 | |- |
| 1930 №15-16 (август) |  | КАПП-ын | В КАПП-е | 39 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Ӧнь Коль. (Исаков Н. А.) | Куйлӧны комын квайт морт | Лежат тридцать шесть человек : Кывбур | 40 | |- |
| 1930 №15-16 (август) | Ӧль Миш. (Мелешев М. А.) | Челядьлӧн быдтас | Детские саженцы : Кывбур | 40 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) |  | Ко всем пролетарским писателям | Обращение секретариата РАПП | 3-8 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Апушкин. | Гӧрд армия | Красная армия : Поэма / Пер. с рус. Нёбдінса Виттор | 9-11 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Люм С. | 500000 | Очерк / Пер. с рус. Выль Паш | 12-18 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Паськалӧны вӧвлытӧм петасъяс | Разрастаются небывалые ростки : Очерк | 19-21 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Осипович А. | Кыдзи ми мырддим собранньӧ | Как мы завоевали собрание | 22-25 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) |  | Национальнӧй политика олӧмӧ пӧртӧм йылысь | О претворении в жизнь национальной политики : Резолюции бюро ОК ВКП(б) | 26-27 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Оботуров И. | КААА-лӧн боевӧй мог – вӧчны пролетариат нога коми художествоа литература | Боевая аадача КАПП – сделать коми художественную литературу пролетарской : Резолюция Коми ОК ВКП(б) | 28-30 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) |  | КАПП правленньӧ уджалӧм йылысь | О работе правления КАПП : К 3-й обл. конф. | 31-33 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Журналист. (Улитин Н. А.) | Сӧветскӧй фельетонлӧн мастер | Мастер советского фельетона : М. Кольцов | 34 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Новиков Н. | Митя колхозник | Висьт | 35-37 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Степ Мить. (Оверин Д. С.) | Луныс пышйӧ водзлань | День убегает вперед : Кывбур | 37 | |- |
| 1930 №17-18 (сентябр) | Лич. (Чесноков Л. И.) | Котырӧн вӧр лэдзны; Выль удж | Лес рубить всем вместе; Новая работа : Кывбур | 38 | |- |
| 1930 №19 (октябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №19 (октябр) |  | КАПП III-ӧд конференциялӧн шуӧмъяс | Решения ІІІ-й конференции КАПП | 3-5 | |- |
| 1930 №19 (октябр) |  | Пролетариат коми художествоа литература гижысь кадръяс лӧсьӧдӧм йылысь | О подготовке кадров в пролетарской коми художественной литературе | 6 | |- |
| 1930 №19 (октябр) | Титов И. | Менам кыв коймӧд КАПП конференция вылын | Мое слово на третьей конференции КАПП : Кывбур | 7-8 | |- |
| 1930 №19 (октябр) | Юсь. (Лебедев М. Н.) | Кыдзи чужис Гриша Вань | Как родился Гриша Вань : Поэма | 9-12 | |- |
| 1930 №19 (октябр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Вӧрын | В лесу : Кывбур | 13-14 | |- |
| 1930 №19 (октябр) | Сандрик Егор. (Шахов Е. А.) | Дӧзьӧрын | В дозоре : Кывбур | 14 | |- |
| 1930 №19 (октябр) | Апушкин. | Вӧрын | В лесу : Драма | 15, 18-28 | |- |
| 1930 №19 (октябр) |  | Пролетариат коми гижысьяс ассоциациялӧн газет «Ордым» | Газета «Ордым» ассоциации пролетарских коми писателей | 16-17 | |- |
| 1930 №19 (октябр) | Гумилев Л. | Расправа | Висьт | 29-32 | |- |
| 1930 №20 (октябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №20 (октябр) |  | Рабочӧй ударникъясӧс литератураӧ призыв | Призыв в литературу рабочих-ударников | 3-4 | |- |
| 1930 №20 (октябр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Бордъя вояс | Крылатые годы : Кывбур, посвящ. 13-й годовщине Октября | 5-6 | |- |
| 1930 №20 (октябр) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Ударникъяс | Ударники : Висьт | 7-15 | |- |
| 1930 №20 (октябр) | Виль Паш. (Шеболкин П. А.) | Вӧр лэдзысьлӧн марш | Марш лесоруба : Кывбур | 16 | |- |
| 1930 №20 (октябр) | Максимов М. | Быдмысь гигантъяс | Растущие гиганты : Очерк | 17-23 | |- |
| 1930 №20 (октябр) | Лузин В. (Оботуров И.) | Коми театр выль туй вылын | Коми театр на новом пути : Очерк | 25-27 | |- |
| 1930 №20 (октябр) | Нёбдінса Виттор. (Савин В. А.) | Коми театрлӧн подув эм; Миян медводдза программа | У коми театра есть фундамент : Очерк; Наша первая программа | 28-30 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) |  | Октябрса революциялы тыри 13 во | Октябрьской революции исполнилось 13 лет : Очерк | 3-5 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Видза юӧр | Привет : Поэма | 6-8 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Латкин В. | Трактористлӧн сьыланкыв | Песня тракториста : Кывбур | 8 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Иллеш Б. | Тисса ыпъялӧ | Тисса горит : Отр. на романа венг. писателя | 9-20 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Апрельский М. (Трошев М. И.) | Кебраса дивӧяс | Диво с Кебры : Очерк | 21-23 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Лихачев М. | Быдмам и ёнмам | Растем и крепнем : Кывбур | 24-25 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Сим Вань. (Симаков И. Н.) | Паськӧдам массӧвӧй удж | Развернем массовую работу | 25 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Латкин В. | Вӧрӧ | В лес : Кывбур | 26-27 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Эй, эй, войтырӧй?.. | Эй, эй, люди!... : Песня | 29 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Иван Вась. (Елькин В. И.) | Вӧрӧ | В лес! : Кывбур | 30 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) | Бунков Л. | Миянӧс оз вӧрзьӧдны | Нас не тронут : Висьт | 31-32 | |- |
| 1930 №21 (ноябр) |  | КАПП-ын | В КАПП-е | 32 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) |  | Вредительяслы, интервентъяслы воча кыв | Ответное слово вредителям, интервентам | 3-4 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | Педь Гень. (Федоров Г. А.) | Сӧветъясӧ бӧрйысигӧн вӧчам перелом быд уджын | Сделаем перелом в каждой работе во время выборов в Советы : Очерк | 5-6 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | Горький М. | Рабочӧйяс да крестьяна дінӧ | К рабочим и крестьянам : Воззвание | 7-9 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Став мувывса пролетариат гижысьяслӧн конференция | Конференция всероссийских пролетарских писателей | 10-13 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | Спектор Г. | Зарни самородокъяс | Золотые самородки : Висьт / Пер. Сандрик Егор (Шахов Е. А.) | 14-16 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | Панферов Ф. | Сдельщина | Отр. из романа «Бруски» | 17-24 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | В. Егор. (Колегов Е. В.) | Ӧтувъя удж | Общая работа : Кывбур | 25-26 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) | Ичӧт Иван. (Сажин И. И.) | Художествоа гижӧдӧн кыпӧдам уджалысь войтырӧс социализм стрӧитан уджӧ | Вдохновим трудящихся к работе по строительству социализма с помощью художественной литературы | 27-33 | |- |
| 1930 №22 (ноябр) |  | КАПП-ын чистка нуӧм протокол | Протокол по проведению чистки в КАПП | 27-32 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Миян могъяс пятилеткаяс коймӧд воӧ пыригӧн | Наши задачи в период третьего года пятилетки | 3-4 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Туганъяс | Верхушки : Кывбур | 5-6 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Канатчиков. | 1905-ӧд воӧ | В 1905 году : Висьт | 7-10 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Шуйга марш : Матросъяслы | Левый марш : Матросам : Кывбур / По В. Маяковскому | 11 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Лӧсьӧдчы тышӧ! | Готовься в бой! : Кывбур / По Жарову | 12 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | В. Егор. (Колегов Е. В.) | Ставӧн сӧветӧ бӧрйысьны! | Все на выборы в Совет! : Кывбур | 13 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Чушкан. | Лечитчысьяслӧн опытъяс | Опыты на больных : Юмор. стих. | 13 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Петелин Г | Фигура | Висьт / Пер. с рус. Сандрик Егор (Шахов Е. А.) | 14-17 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Каяма Е. | Письмӧ цемент бӧчкаысь | Письмӧ из цементной бочки : Висьт япон. писателя | 18-19 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Шыладорса Миш. (Доронин М. П.) | Чорзьӧдам тыш национал-мелкобуржуазнӧй идеологиякӧд | Усилим борьбу с национал-мелкобуржуазнӧй идеологией : Крит. очерк | 20-21 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Етшандзи менам гижӧдъясын нелючкиторъяс йылысь | Еще раз об ошибках в моих произведениях : Крит. очерк | 22-24 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Изъюр Иван. (Изъюров И.) | Поэт-большевиклӧн дас вося туй | Десятилетний путь поэта-большевика : А. И. Безыменского | 25-27 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Лихачев М. | Отсаліссез | Помощники : Висьт (Коми- перм. яз.) | 28-30 | |- |
| 1930 №23-24 (декабр) | Захаров Г. | Кодлы тайӧ нигаяс | Кому эта книга? : Об оперетке «Настук» М. Н. Лебедева | 31-32 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Оботуров И. | Чорзьӧдны тыш кык фронт вылӧ | Укреплять борьбу на два фронта | 3-4 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Выль Паш. (Шеболкин П. А.) | Чолӧм, областьса кӧзяин! : Коми областювса Сӧветъяс 9-ӧд съездлы | Привет, хозяину области! : К 9-му Коми обл. съезду Советов : Поэма | 5-6 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Пармазон да Иливапыс. | (Тимушев А. П., Пыстин И. И.) Чолӧм! | Привет : Поэма | 7 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Окмысӧдлы | Десятому : Поэма | 8-9 | |- |
| 1931 №1 (январ) |  | Гырысь заводъяс заводитісны уджавны | Крупные заводы начинают работать | 10 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Латкин В. | Локтӧ тулыс | Весна идет : Поэма | 11-12 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Лихачов М. (Лихачев М.) | Горалӧ вӧр.. | Шум леса... : Поэма | 13-14 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Кымӧр | Туча : Кывбур | 14 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Полярный Степан. (Старцев С. А.) | 96 кварталын | В 96-м квартале : Очерк -(Продолж. См. 1931. №2. лб. 21-23). | 15-26 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Шыладорса Миш. (Доронин М. П.). | Ӧддзӧдам перестроитчӧм | Ускорим перестройку : Крит, ст. | 27-29 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Изъюр Иван. (Изъюров И. В.) | Выль кадръястӧ тадзи он быдты | Новые кадры таким образом не вырастишь | 30 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Сим Вань. (Симаков И. Н.) | Заразнӧй висьӧм | Заразная болезнь | 31 | |- |
| 1931 №1 (январ) | Костромин А. | Дас ӧти дивӧ | Одиннадцать сатирических историй | 32 | |- |
| 1931 №2 (январ) |  | Юриндалысь | Содержание | 1 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Лӧсьӧдчам Коми автономиялы дас во тыригкежлӧ | Готовимся к встрече 10-й годовщины Коми автономии | 3-4 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Кржижановский Г. | ГОЭРЛО планлы дас во тырӧм | К 10-летию плану ГОЭРЛО | 5-6 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Иливапыс. (Пыстин И. И.) | Вермам | Преодолеем : Висьт | 7-17 | |- |
| 1931 №2 (январ) |  | 3.150 тонна сов вӧсна | Дадим 3.150 тонн соли | 18-20 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Полярный Степан. (Старцев С. А.) | 96 кварталын | В 96-м квартале : Очерк – (Начало – 1931. №І. лб. 15-26) | 21-23 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Латкин В. | Выльтор | Новость : Кывбур | 24 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Митрук Як. (Рочев Я. М.) | Дорам ми | Мы куем : Кывбур | 25 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Пармазон. (Тимушев А. П.) | Кыв-мӧд «Гудок» йылысь | Немного о гармошке : Крит. статья | 27-29 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Илля Вась. (Лыткин В. И.) | Письмӧ редакцияӧ | Письмо в редакцию | 29 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Коми Крокодил. | Ыбса вӧрпромхозын | В Ыбском леспромхозе : Пьеса | 30-31 | |- |
| 1931 №2 (январ) | Скӧрмӧм Ош. | Кулакӧс дорйысьяс | Защитники кулака : Поэма | 31-32 | |- |

##

##